शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 98 | गुवाहाटी | बुधवार, 6 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मदरसा एक्ट को बताया संवैधानिक पेज 2

यह बाकी है और फांकी की सरकार है : मीरा बरठाकुर पेज 3

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग, हर समुदाय के कल्याण और उत्थान के लिए... पेज 5

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे फिल साल्ट पेज 7

अमेरिका में वोटिंग शुरू, इलेक्टोरल कॉलेज से निकलेगा परिणाम

वाशिंगटन। अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग और काउंटिंग दोनों शुरू हो चुकी है और परिणाम के लिए पूरी दुनिया की धड़कनें तेज नजर आ रही हैं। इस बार चुनावी मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच है। अमेरिका में पिछले कुछ हफ्तों में अर्ली वोटिंग में लगभग 8 करोड़ लोगों ने वोट डालने की सूचना दी है। दोनों पार्टियां अपनी चुनावी रणनीतियों के तहत जोरदार प्रचार कर रही हैं, खासकर पेंसिल्वेनिया जैसे स्विंग स्टेट्स में। इस चुनाव के परिणाम की घोषणा में संभवत: कई दिन लग सकते हैं, और नया राष्ट्रपति जनवरी 2025 में शपथ लेगा। अमेरिका की राष्ट्रपति चुनाव में जनता सीधे उम्मीदवार को वोट नहीं दे सकती है। वोटर्स 538 सदस्यों की इलेक्टोरल बॉडी को चुनती है, जिसे इलेक्टोरल कॉलेज कहते हैं। इन्हीं के वोट के आधार पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का चयन होता है। अमेरिका में हर चार साल बाद चुनाव होते हैं। इसके वोटिंग का दिन और महीना तय है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए नवंबर के महीने में सोमवार के बाद वाले मंगलवार को वोटिंग होती है। अगर पहला मंगलवार 1 नवंबर को आ जाए तो उस मंगलवार को वोटिंग नहीं होगी, क्योंकि 1 नवंबर को ईसाई ऑल सेंट्स डे मनाते हैं। अमेरिका के आठ राज्यों में मतदान शुरू हो गया है, जिसमें कनेक्टिकट, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, न्यू हैम्पशायर और वर्जीनिया शामिल हैं। इसके अलावा, इंडियाना और केंटकी में भी मतदान की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। मेन राज्य में कुछ नगरपालिका सीटों पर मतदान सुबह 10 बजे शुरू होगा। भारतीय समयानुसार, वोटिंग -शेष पृष्ठ दो पर

कमला हैरिस की पैतृक गांव तमिलनाडु में की गई पूजा-अर्चना

चेन्नई (हि.स.)। तमिलनाडु में कमला हैरिस के पैतृक गांव में उनकी जीत के लिए आज पूजा-अर्चना के साथ विशेष प्रार्थना की गई। दक्षिण भारत का यह अपेक्षाकृत अनजान गांव तब चर्चा में आया जब अमेरिका में बाइडेन ने 2020 के चुनाव से पहले हैरिस को अपना उपराष्ट्रपति घोषित किया। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के तमिलनाडु स्थित पैतृक गांव थुलसेंद्रापुरम के निवासियों में उत्साह है। पूरे गांव में उनके चेहरे वाले बड़े बैनर लगाए और पोस्टर चिपकाए गए हैं। गांव के मंदिरों में उनकी जीत के लिए अनुष्ठान का आयोजन किया गया। 20 अक्तूबर 1964 को जन्मीं कमला देवी हैरिस अमेरिकी राजनेत्री और वकील हैं। वह 2021 से संयुक्त राज्य अमेरिका की 49वीं और वर्तमान उपराष्ट्रपति हैं। वे संयुक्त राज्य की पहली महिला उपराष्ट्रपति हैं। कमला जनवरी 2021 में उपराष्ट्रपति बनीं। वह पहली अफ्रीकी-अमेरिकी उपराष्ट्रपति और -शेष पृष्ठ दो पर

डीआईपीआर में दी गई डॉ. भूपेन हजारिका को श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय (डीआईपीआर) के सांस्कृतिक विंग द्वारा मंगलवार को सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका की 13वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ. भूपेन हजारिका की फोटो के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक मानवेंद्र देब रॉय ने इस महान कलाकार के कार्यों तथा विशेष रूप से उनके गीतों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि भूपेन हजारिका ने असम की मिट्टी, पानी, सामाजिक संदर्भ का गहराई से अध्ययन -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी एचसी ने सरकार को दिए निर्देश, कहा-

दिघलीपुखुरी के पास वैकल्पिक फ्लाईओवर डिजाइन करें

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने मंगलवार को असम सरकार के मुख्य सचिव को दिघलीपुखुरी के निकट नवनिर्मित फ्लाईओवर के लिए वैकल्पिक प्रस्तावों का विवरण देते हुए हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। फ्लाईओवर के निर्माण के लिए क्षेत्र में पेड़ों की प्रस्तावित कटाई के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए, मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति एन. उन्नी कृष्णन नायर की एक उच्च न्यायालय की पीठ ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए 13 नवंबर को -शेष पृष्ठ दो पर

नागरिकता विवाद को फिर से खोलने की कोशिश कर रही है कांग्रेस : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को यहां कहा कि कांग्रेस पार्टी असम में हिंदू बंगालियों की समस्या को जटिल बनाने की कोशिश कर रही है। यह आरोप लगाते हुए कि उनकी सरकार राज्य में हिंदू बंगालियों के नागरिकता के मुद्दों को हल करने की कोशिश कर रही है, शर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि हम हिंदू बंगालियों के बांग्लादेशी टैग को हल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को उठाकर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रही है, वे राज्य के हिंदू बंगालियों को नए उत्पीड़न के अधीन करने की कोशिश कर रहे हैं। असम कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर धोलाई के लिए एक *बांग्लादेशी* को उम्मीदवार बनाने का आरोप लगाया है। धोलाई राज्य की पांच विधानसभा सीटों में से एक है जहां 13 नवंबर को उपचुनाव होंगे। शर्मा ने उम्मीदवार निहार रंजन दास के खिलाफ आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह असम में जन्मे और पले-बढ़े हैं, लेकिन इस मुद्दे को उठाकर कांग्रेस पार्टी हिंदू बंगालियों को परेशानी में डालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर यह मुद्दा एक बार फिर सामने आता है तो दास के लिए कोई समस्या नहीं होगी, लेकिन कई निर्दोष हिंदू बंगालियों को उनकी नागरिकता के लिए नोटिस मिल सकता है और आम हिंदू बंगालियों -शेष पृष्ठ दो पर

पांच में से चार सीटें भाजपा का जीतना निश्चित : मुख्यमंत्री

कछार (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया है कि राज्य की पांच विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में चार सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों का जीतना निश्चित है। जबकि, पांचवी सीट को जीतने की भी कोशिशें की जा रही है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने सीटों के नाम पूछे जाने पर सवाल को टाल दिया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा आज कछार जिले के धलाई विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

डिब्रूगढ़ में सड़क बंद को लेकर स्थानीय और पुलिस के बीच झड़प, कई घायल

डिब्रूगढ़। असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा एक चाय बागान में रास्ता बंद करने को लेकर स्थानीय लोगों और पुलिस के बीच झड़प में एक अधिकारी सहित कई लोग घायल हो गए। घटना में घायल हुए डिब्रूगढ़ जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निर्मल घोष ने बताया कि एएमसीएच अधिकारियों द्वारा जालान चाय बागान में आलूबारी लाइन गेट बंद करने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि आज सुबह-सुबह प्रदर्शनकारी प्रवेश द्वार के सामने एकत्र हुए और एएमसीएच अधिकारियों के अचानक लिए गए फैसले का कड़ा विरोध किया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई। एक स्थानीय महिला ने बताया कि इस गेट का इस्तेमाल जालान चाय बागान के लोग अस्पताल और डिब्रूगढ़ शहर जाने के लिए करते हैं। उन्होंने पूछा कि शहर में जाने के लिए यह हमारे लिए मुख्य सड़क है। हमारे बच्चे स्कूल और कॉलेज -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
स्वभाव का अतिक्रमण अत्यंत कठिन है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

देशभर में नहाय खाय के साथ शुरू हुआ छठ महापर्व

नई दिल्ली (हि.स.)। सूर्य उपासना का सबसे बड़ा पर्व छठ आज देशभर में नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। छठ पूजा के इस चार दिवसीय अनुष्ठान में व्रती नदियों और अन्य जलस्रोतों में स्नान कर सूर्यदेव को जल से अर्घ्य देंगे। कल लोहंडा खरना पर व्रती दिनभर उपवास कर शाम को सूर्यदेव -शेष पृष्ठ दो पर

हरियाणा, त्रिपुरा और मिजोरम के लिए 15वें वित्त आयोग का अनुदान जारी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने हरियाणा, त्रिपुरा और मिजोरम के ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 15वें वित्त आयोग का अनुदान जारी किया है। पंचायती राज मंत्रालय ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि हरियाणा के पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई)/आरएलबी को पहली किस्त के रूप में 194.867 करोड़ रुपए की अनटाइड ग्रांट -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात में बुलेट ट्रेन का पुल गिरा, कई लोग दबे

अहमदाबाद। गुजरात के आणंद जिले में सोमवार को दर्दनाक हादसा हुआ। बुलेट ट्रेन परियोजना का एक निर्माणाधीन पुल भरभराकर ढह गया। पुल के ढह जाने से कई मजदूर मलबे में फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर आणंद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। अभी तक मलबे से एक मजदूर को निकाला गया है और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर तेजी से राहत-बचाव कार्य जारी है। वहीं हादसे की सूचना पर नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बयान जारी कर बताया -शेष पृष्ठ दो पर

हर प्राइवेट प्रॉपर्टी को सरकार नहीं ले सकती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने निजी संपत्ति विवाद में बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बड़ी बेंच ने आज मंगलवार को अपने अहम फैसले में कहा कि सरकार सभी निजी संपत्तियों का इस्तेमाल नहीं कर सकती, जब तक कि सार्वजनिक हित ना जुड़ रहे हों। सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत के फैसले से कहा कि सभी निजी संपत्तियां संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) के तहत *समुदाय के भौतिक संसाधनों* का हिस्सा नहीं बन सकती हैं और राज्य के अधिकारियों की तरफ से *सार्वजनिक भलाई* के लिए इसे अपने कब्जे में नहीं लिया जा सकता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8-1 के बहुमत के साथ इस मुद्दे पर फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि राज्य उन संसाधनों पर दावा कर सकता है जो सार्वजनिक हित के लिए हैं और समुदाय के पास हैं। उनका कहना है कि हर निजी संपत्ति को सार्वजनिक संपत्ति नहीं कहा जा -शेष पृष्ठ दो पर

25 हजार करोड़ का टैक्स घोटाला

जीएसटी के तहत 18 हजार फर्जी कंपनियों का हुआ खुलासा

नई दिल्ली। टैक्स अधिकारियों को बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने हाल ही में 18,000 फर्जी कंपनियों का पता लगाया है, जो जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) के तहत पंजीकृत थीं। इन कंपनियों पर आरोप है कि ये टैक्स चोरी में शामिल थीं और इनकी वजह से सरकारी खजाने को करीब 25,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। यह कार्रवाई जीएसटी के तहत फर्जी पंजीकरण के खिलाफ चलाए गए दूसरे राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है। इस -शेष पृष्ठ दो पर

नए कानून समकालीन समाज की चुनौतियों का समाधान करते हैं : लोस अध्यक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि तीन नए आपराधिक कानून सदन और स्थायी समिति में विस्तृत विचार-विमर्श और जनभागीदारी के बाद पारित किए गए हैं। तीनों नए आपराधिक कानून समकालीन समाज की चुनौतियों और आशाओं के अनुरूप हैं। इन कानूनों के विषय में जानकारी देने के लिए संसद भवन परिसर में संवैधानिक तथा संसदीय अध्ययन संस्थान (आईसीपीएस) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 83 दूतावासों के 135 राजनयिकों और पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए बिरला ने कहा कि टेक्नोलॉजी और अपराधों के स्वरूप में आए बदलावों के अनुरूप इन कानूनों का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का कानून अंतिम व्यक्ति को न्याय का अधिकार देता है और आम जनता न्यायाधीश को भगवान के रूप में देखती है। न्याय पर जनता का अति विश्वास है, जो 75 वर्षों की यात्रा में और अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि आज के वैश्विक माहौल में एक-दूसरे के देशों के कानूनी ढांचे और मूल्यों को समझना जरूरी है। -शेष पृष्ठ दो पर

एशिया को मजबूत बनाने में बौद्ध धर्म की भूमिका पर चर्चा जरूरी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एशिया को मजबूत बनाने में बौद्ध धर्म की भूमिका को लेकर कहा कि हमें इस बात पर चर्चा की आवश्यकता है कि बौद्ध धर्म एशिया और दुनिया में वास्तविक शांति कैसे ला सकता है। एक ऐसी शांति जो न केवल शारीरिक हिंसा से मुक्त हो बल्कि सभी प्रकार के लालच और घृणा से भी मुक्त हो। राष्ट्रपति ने मंगलवार को नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के सहयोग से भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि शिखर सम्मेलन बुद्ध की शिक्षाओं की हमारी साझा विरासत के आधार पर हमारे सहयोग को मजबूत करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। उन्होंने कहा कि भारत धर्म की पवित्र भूमि है। हर युग में भारत में महान गुरु और रहस्यवादी, द्रष्टा और साधक हुए हैं जिन्होंने मानवता को अंदर शांति और बाहर सद्भाव खोजने का मार्ग दिखाया है। इन पथ प्रदर्शकों में बुद्ध का अद्वितीय स्थान है। बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सुप्रीम कोर्ट ने एचसी का फैसला पलटा

मदरसा एक्ट को बताया संवैधानिक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज बड़ा फैसला सुनाते हुए उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को संवैधानिक करार दिया है। कोर्ट ने इसी के साथ इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मार्च के फैसले को भी खारिज कर दिया, जिसमें यूपी मदरसा अधिनियम को रद्द किया गया था। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के फैसले के बाद राज्य के मदरसों को मान्यता मिलने और उनके संचालन में स्थायित्व आने की संभावना है। अदालत ने माना कि एक्ट के प्रावधान संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हैं और ये धार्मिक अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा करते हैं। एससी ने कहा कि सरकार मदरसा शिक्षा को लेकर नियम बना सकती है। किसी छात्र को धार्मिक शिक्षा के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। एससी ने यह भी कहा कि मदरसा बोर्ड फाजिल, कामिल जैसी उच्च डिग्री नहीं दे सकता, जो यूजीसी अधिनियम के विपरीत है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इसी साल 22 मार्च को यूपी मदरसा एक्ट 2004 को असंवैधानिक करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि ये कानून धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन कर रहा है और मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को नियमित स्कूलों में स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर पहले ही अंतरिम रोक लगा दी थी। यूपी मदरसा एक्ट को साल 2004 में बनाया गया था। इसके तहत ही मदरसा बोर्ड का गठन हुआ। इसका मुख्य मकसद मदरसा में होने वाली शिक्षा की व्यवस्था को ठीक करना था। यूपी में कुल 25 हजार मदरसे हैं, जिनमें से लगभग 16 हजार को यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा से मान्यता मिली है तो वहीं 8 हजार के करीब मदरसों को बोर्ड ने मान्यता नहीं दी है।

ट्रक से 30 मवेशी बरामद, चार गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के गोरचुक पुलिस ने पशु तस्करी में शामिल चार तस्करों को 30 मवेशी समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बीती देर रात गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र इलाके के काटाबाड़ी भरलू पुल के पास नाका चेकिंग के दौरान ट्रक (एएस-26एसी-1949) को जब्त किया गया। ट्रक में अवैध तरीके से 30 मवेशियों को मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। वहीं पुलिस इस मामले में पशु तस्कर की एक कार (एएस,-23के-0755) को भी जब्त किया है। पशु तस्करी मामले में पुलिस चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बोको में करंट लगने से जंगली हाथी की मौत, दो गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के बोको में बिजली का करंट लगने से एक जंगली हाथी की मौत के मामले में दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों व्यक्तियों की पहचान अकल राभा और रमाकांत बोड़ो के रूप में की गई है। अकल राभा मौमान का रहने वाला है और रमाकांत दादानपुर का निवासी है। वन विभाग सूत्रों ने आज बताया है कि रविवार की रात करंट लगने से एक जंगली हाथी की मौत हो गई थी। बोको जरापारा वनांचल की भूमि पर कई लोग धान की खेती करते थे। धान के खेतों की सुरक्षा के नाम पर खेत के किनारे पर बिजली का तार लगाकर उसमें विद्युत प्रवाहित किया गया था। इस बीच रविवार की रात को एक जंगली हाथी धान खाने आया था। हाथी बिजली की तार की चपेट में आ गया, जिसके चलते उसकी मौत हो गयी। गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों को शिंगरा क्षेत्रीय वन विभाग के कार्यालय में रखा गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से कुछ आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। घटना की वन विभाग के द्वारा जांच की जा रही है।

बरपेटा पुलिस ने बड़ी मात्रा में हेरोइन के साथ मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिलांतर्गत हाउली पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस कार्रवाई में भारी मात्रा में हेरोइन के साथ एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर की पहचान हाउली के बागईजान पारा निवासी इब्राहिम अली के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर हाउली पुलिस थाने के प्रभारी राजीव नेयोग के नेतृत्व में बागाईजान पारा में मादक पदार्थ रोधी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने प्लास्टिक की दो साबुनदानी से भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की। पुलिस ने गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर के घर पर भी छापा मारा जहां से इतनी भारी मात्रा में हेरोइन जब्त की। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर ड्रग्स तस्कर के विरुद्ध आगे की कार्रवाई जारी रखे हुए है।

सीएम ने छठ पूजा की दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आस्था के महापर्व छठ की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि छठ मईया और सूर्यदेव का आशीर्वाद सभी लोगों पर बना रहे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर छठी मईया और सूर्यदेव का आशीर्वाद आप सभी पर बना रहे। सुख, शांति और समृद्धि की कामना के साथ छठ पूजा की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

पूसीरे के रेसुब ने इस वर्ष 174 दलालों को पकड़ा

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) दलालों के खतरे को नियंत्रित करने के लिए नियमित रूप से तलाशी चला रहा है। 01 से 31 अक्तूबर, 2024 तक इस जोन में चलाए गए जांच अभियान में रेलवे सुरक्षा बल ने 07 दलालों को पकड़ लिया और उसके पास से 1.19 लाख रुपए से अधिक के 55 रेल टिकट बरामद किए। इस वर्ष जनवरी से अक्तूबर, 2024 तक पूसीरे के अधीन विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में छापामारी और जांच के दौरान पूसीरे की रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 174 दलालों को गिरफ्तार किया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि 09 अक्तूबर, 2024 को एक घटना में, कटिहार के सीआईबी और बारसोई के आरपीएफ टीमों ने संयुक्त रूप से बारसोई में छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान, टीम ने 02 लाइव टिकट बरामद किए, जिसकी कीमत लगभग 5,790 रुपए थी और इस संबंध में एक दलाल को पकड़ा। आगे की कार्रवाई के लिए बारसोई में रेल अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया। 27 अक्तूबर, 2024 को एक अन्य घटना में, न्यू कोचबिहार के आरपीएफ और अलीपुरद्वार के सीआईबी और सीपीडीएस टीमों ने संयुक्त रूप से कोचबिहार के ओकराबाड़ी बाजार में स्थित *बापी जेरॉक्स* में छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान, टीम ने लगभग 49,842 रुपए मूल्य के 10 टिकट (1 लाइव ई-टिकट, जिसका मूल्य 6,504.95 रुपए और 09 इस्तेमाल किया गया ई-टिकट, जिसकी कीमत 43,337.30 रुपए है) बरामद किए और इस संबंध में एक दलाल को पकड़ा। आगे की कार्रवाई के लिए न्यू कोचबिहार में रेल अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया। इस वर्ष जनवरी से अक्तूबर, 2024 तक पूसीरे के अधीन विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में छापामारी और जांच के दौरान पूसीरे की रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 174 दलालों को गिरफ्तार किया गया और 33.24 लाख रुपए से अधिक मूल्य के कुल 1215 टिकट बरामद किए गए। रेल टिकटों की अनधिकृत और अवैध खरीद पर कड़ी नजर रखने के अलावा, पूसीरे के रेसुब यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने कार्य के साथ-साथ रेल उपयोगकर्ताओं को सेवाएं एवं सहायता प्रदान करने को हमेशा तत्पर है। पूसीरे प्राधिकरण सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे ट्रेन यात्रा के दौरान समस्याओं से बचने के लिए उचित टिकट के साथ अपनी यात्रा करें। रेल यात्री अपनी ट्रेन यात्रा के दौरान किसी भी समस्या का सामना करने पर 139 (टोल-फ्री) डायल कर सकते हैं।

पृष्ठ एक का शेष

डीआईपीआर में दी गई...

किया और उसके आधार पर गीतों की रचना की। संगीत के साथ लोगों को राज्य में सभी परिस्थितियों का सामना करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सुधाकंठ अपनी रचनात्मकता के साथ असमिया सामाजिक जीवन के सपने और सुंदरता को विश्व दरबार में स्थापित करने में सक्षम हुए। उनका कार्य हमें समाज का विकास करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर निदेशालय के सभी अधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके कई कालजयी गीत प्रस्तुति किए। सुधाकंठ की स्मृति में सांस्कृतिक शाखा की कलाकार जूरी गोस्वामी द्वारा रचित एक कविता भी पढ़ी गई।

अमेरिका में वोटिंग...

प्रक्रिया अमेरिका में शाम 4:30 बजे शुरू हुई। अमेरिका के गुआम आईलैंड में भी मतदान की प्रक्रिया शुरू हो गई है, लेकिन यहां के मतदाता राष्ट्रपति चुनने का अवसर नहीं पाते हैं, क्योंकि गुआम में इलेक्टोरल कॉलेज वोट नहीं होते। न्यू हैम्पशायर के डिक्सविले नॉच में आधी रात को मतदान शुरू होते ही कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप को 3-3 वोट मिल चुके हैं। यह क्षेत्र 100 से कम आबादी वाले क्षेत्रों में शामिल है, जहां आधीरात को मतदान कराया जाता है। राष्ट्रपति चुनाव से पहले, 17 राज्यों में नेशनल गार्ड को तैनात किया गया है ताकि चुनावी प्रक्रिया का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इनमें ओरेगन, वॉशिंगटन और नेवादा जैसे राज्य शामिल हैं। एफबीआई ने चुनावी निगरानी के लिए वॉशिंगटन में नेशनल इलेक्शन कमांड पोस्ट की स्थापना की है। भारतीय मूल की हॉलीवुड एक्ट्रेस पूर्णा जगन्नाथन ने कमला हैरिस का समर्थन किया है। वह अपने काम के लिए जानी जाती हैं, जिसमें अमेरिकी और भारतीय सिनेमा दोनों का योगदान है। अमेरिकी उद्योगपति शलभ कुमार ने कहा है कि यदि डोनाल्ड ट्रंप दोबारा चुने जाते हैं, तो वह खालिस्तानियों पर कार्रवाई करेंगे और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को उनकी बात सुननी पड़ेगी। इस चुनाव के परिणामों पर पूरे देश की निगाहें टिकी हुई हैं, और इसके नतीजे अमेरिकी राजनीति के दिशा-निर्देश तय कर सकते हैं। इलेक्टोरल कॉलेज अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके द्वारा अमेरिकी नागरिक अप्रत्यक्ष रूप से अपने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का चुनाव करते हैं। इसे ऐसे समझा जा सकता है जैसे भारत में लोग अपनी विधानसभा या लोकसभा सीट पर विधायक या सांसद का चुनाव करते हैं, और बाद में वही विधायक या सांसद मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चुनते हैं। हालांकि, अमेरिका में यह प्रक्रिया और भी अधिक जटिल है। अमेरिकी नागरिक राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के लिए वोट करते समय अपने-अपने राज्यों के निर्वाचकों (इलेक्टर्स) को चुनते हैं। ये निर्वाचक बाद में उन उम्मीदवारों का समर्थन करते हैं जिनके लिए जनता ने वोट दिया है। अमेरिका में कुल 538 इलेक्टोरल वोट हैं। इनमें से 535 इलेक्टर्स अमेरिका के सभी 50 राज्यों से आधारित होते हैं, जबकि 3 अतिरिक्त इलेक्टर्स अमेरिकी राजधानी वाशिंगटन, डीसी (डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया) से आते हैं। इन 535 इलेक्टोरल वोटों को समझने के लिए अमेरिका की संसद की कुल सीटों की संख्या को देखना जरूरी है, जो 535 है। इसमें 435 हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव (प्रस्तावित प्रतिनिधि) और 100 सीनेट के सदस्य शामिल होते हैं। भारत के राजनीतिक ढांचे के समान, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के सदस्यों को लोकसभा के सांसदों के समकक्ष और सीनेट के सदस्यों को राज्यसभा के सांसदों के समकक्ष समझा जा सकता है। हर राज्य में कम से कम एक और अधिकतम अपनी आबादी के अनुसार हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के सदस्य होते हैं, जबकि सीनेट से हर राज्य से केवल दो सदस्य होते हैं। इस प्रकार, चुनाव में प्रत्येक राज्य से कम से कम तीन इलेक्टोरल वोट अवश्य होते हैं। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए किसी भी उम्मीदवार को कुल 538 में से 270 इलेक्टोरल वोट का बहुमत प्राप्त करना होता है। यदि कोई उम्मीदवार इस संख्या को पार कर लेता है, तो उसे राष्ट्रपति चुन लिया जाता है। इस तरह, इलेक्टोरल कॉलेज एक महत्वपूर्ण प्रणाली है जो अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया को संचालित करता है, और यह निश्चित करता है कि राष्ट्रपति का चुनाव किस प्रकार होता है।

कमला हैरिस की ...

पहली एशियाई अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैं। गांव में लगे एक बैनर में उन्हें जीत के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी गई हैं। ग्रामीणों ने उन्हें पत्र भेजकर उनकी जीत की कामना की है यह गांव चेन्नई से करीब 100 किलोमीटर और वाशिंगटन से करीब 14,000 किलोमीटर दूर है। गांव के मुख्य मंदिर धर्मस्था में कमला की जीत के लिए विशेष पूजा की गई है। पूर्व पार्षद अरुलमोझी सुधाकर ने कहा कि हम उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए कल सुबह विशेष पूजा करेंगे। उनकी जड़ें भारतीय हैं। हमारे गांव में उनके पूर्वजों का घर है और वह एक ऐसी महिला हैं जो दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों में से एक में इतने बड़े पद के लिए लड़ रही हैं। इससे हमें गर्व है और हम चाहते हैं कि वह जीतें। उन्होंने कहा कि अगर हैरिस जीतती हैं तो तिरुवरुर जिले के पैंगानाडु में अन्नदानम का आयोजन कर गरीबों को मुफ्त भोजन कराया जाएगा।

दिघलीपुखुरी के पास ...

शिफ्ट किया, जबकि राज्य सरकार को 11 नवंबर तक अपना हलफनामा पेश करने का निर्देश दिया। गुवाहाटी के चिंतित नागरिकों के बैनर तले स्थानीय निवासियों के एक समूह ने पेड़ों को गिराने के कदम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बाद जनहित याचिका दायर की थी। दिघलीपुखुरी के आसपास सदियों पुराने कुछ प्रतिष्ठित पेड़ हैं। जनहित याचिका में दो नई सड़क शाखाओं, तैयबुल्लाह रोड (390 मीटर) और वेस्ट दिघलीपुखुरी रोड (250 मीटर) के निर्माण को चुनौती दी गई है, जिन्हें गुवाहाटी में जीएनबी रोड पर एक एलिवेटेड कॉरिडोर से जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है। याचिकाकर्ताओं ने चिंता जताई है कि ये अतिरिक्त निर्माण, जो आमबाड़ी में आरबीआई कार्यालय से नूनमाटी में एफसीआई गोदाम तक निर्माणाधीन कॉरिडोर को जोड़ेंगे, सदियों पुराने पेड़ों को खतरा पहुंचाएंगे। परियोजना की लहरें बनाने के लिए इन्हें गिराना होगा। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि ये ऐतिहासिक पेड़ स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और महत्वपूर्ण विरासत मूल्य रखते हैं। वे अधिकारियों से इन पेड़ों को संरक्षित करने का आग्रह कर रहे हैं क्योंकि वे क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य और विरासत में योगदान करते हैं। राज्य की ओर से पेश हुए असम के महाधिवक्ता देबोजीत सैकिया ने अदालत को सूचित किया कि सरकार द्वारा विकल्पों के लिए इस मुद्दे की सक्रिय रूप से समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोशल मीडिया पर संकेत दिया है कि वे जीएनबी फ्लाईओवर के लिए वैकल्पिक योजनाओं की खोज कर रहे हैं ताकि पूर्वी और पश्चिमी दिघालीपुखुरी सड़कों पर असर न पड़े और आस-पास के हेरिटेज पेड़ों की सुरक्षा हो सके। मामले के महत्व को स्वीकार करते हुए, अदालत ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई 13 नवंबर को तय की। राज्य की ओर से औपचारिक जवाब दाखिल करने के लिए महाधिवक्ता को अतिरिक्त समय दिया गया है।

नागरिकता विवाद को ...

को उत्पीड़न का सामना करना पड़ सकता है। हम इस विवाद को एक-एक करके सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि रविवार को पार्टी के प्रचार के दौरान असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा था कि भाजपा संदिग्ध नागरिकता वाले उम्मीदवार को मैदान में उतारकर एक मिसाल कायम करने की कोशिश कर रही है। श्री बोरा ने कहा कि भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ आरोप अमिय कांति दास द्वारा सार्वजनिक मंच पर लगाए गए, जो मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के करीबी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से धोलाई उम्मीदवार की स्थिति के बारे में स्पष्टीकरण देने को कहा। अमिय कांति दास ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद धोलाई सीट से अपना नामांकन वापस ले लिया। भाजपा उम्मीदवार ने कहा कि कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे झूठ से उनकी नींद नहीं उड़ी है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए लोगों के उमड़ते समर्थन ने कांग्रेस को बेचैन कर दिया है। इस आरोप को नजरअंदाज करना ही बेहतर है। भाजपा की धोलाई इकाई ने कहा कि उनके उम्मीदवार ने दक्षिणी असम के सिलचर शहर के पास इरोंगमारा स्कूल में पढ़ाई और अध्यापन किया है। धोलाई सीट के लिए आठ उम्मीदवार मैदान में हैं, यह सीट पूर्व परिवहन मंत्री परिमल शुक्लबैद्य के सिलचर से सांसद बनने के बाद खाली हुई थी। भाजपा उम्मीदवार के प्रतिद्वंद्वियों में कांग्रेस के ध्रुबज्योति पुरकायस्थ और सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) के गौर चंद्र दास शामिल हैं। कांग्रेस उपचुनाव वाली सभी पांच सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि भाजपा तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा के क्षेत्रीय सहयोगी दल - असम गण परिषद और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल - एक-एक सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

पांच में से चार ...

पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। धलाई सीट पर भाजपा द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवार निहार रंजन दास पर बांग्लादेशी होने संबंधी लगाए जा रहे आरोपों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस प्रकार के सवाल उठाकर बराक घाटी के बंगाली हिंदुओं को फिर से परेशानी में डालना चाह रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सवाल उठाने से फिर से हिंदू बंगालियों को फॉरेन ट्रिब्यूनल का चक्कर काटना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह चाहते हैं कि बराक घाटी के हिंदू बंगालियों को इन सभी परेशानियों से छुटकारा मिले, लेकिन कांग्रेस उन्हें फिर से परेशानी में डालना चाह रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्र सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले यह सूची निकाल लें कि जितेंद्र सिंह स्वयं कितनी बार चुनाव लड़कर हार चुके हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के अन्य के सवालों के भी उत्तर दिए। इससे पूर्व चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाए गए हैं। उन्होंने कहा कि धलाई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नत करके 50 बिस्तरों वाला अस्पताल बनाया जा रहा है। शिक्षा की आवश्यकताओं को देखते हुए धलाई में एक मॉडल डिग्री कॉलेज का निर्माण भी कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा विकास की राजनीति करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धलाई सीट पर चुनाव नाम का होगा। हमारे प्रार्थी निहार रंजन दास चुनाव जीत चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमिय कांति दास ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था, लेकिन मुख्यमंत्री के फोन करते ही नामांकन वापस ले लिया। मुख्यमंत्री ने इसके लिए उन्हें धन्यवाद् ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यहां से सांसद भाजपा के हैं, राज्य और केंद्र में भाजपा की सरकारें हैं। ऐसे में यदि धलाई से कांग्रेस उम्मीदवार जीतेंगे तो क्षेत्र का विकास नहीं होगा, क्योंकि कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री के पास नहीं आएंगे। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के लोगों को विकास के कार्यों का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी जयंत मल्लबरुवा, स्थानीय सांसद तथा पूर्व विधायक परिमल शुक्लबैद्य, सांसद कृपा नाथ माल्ला, भाजपा उम्मीदवार निहार रंजन दास, कौशिक राय, दीपायन चक्रवर्ती, डॉ राजदीप राय, मिहिर कांति सोम, कृष्णेंदु पाल, बिमलेंदु राय, कबीर अहमद समेत कई गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

डिब्रूगढ़ में सड़क ...

जाने के लिए इसी रास्ते का इस्तेमाल करते हैं। वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था किए बिना वे सड़क को हमेशा के लिए कैसे बंद कर सकते हैं? प्रदर्शनकारी भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने कई आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने जवाबी कार्रवाई में पुलिस पर कांच की बोतलें, ईंटें और पत्थर फेंके। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि झड़प के दौरान दो पत्रकार पत्थरों और ईंटों से घायल हो गए। पत्थरों की चपेट में आने से एडिशनल एसपी घोष और कई सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गए। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस द्वारा बल प्रयोग किए जाने के कारण कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। घोष ने कहा कि पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है और हिंसक विरोध प्रदर्शन के संबंध में स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि स्थिति तनावपूर्ण है, लेकिन अब नियंत्रण में है।

गुजरात में बुलेट...

कि आणंद में बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण स्थल पर कंक्रीट के ब्लॉक गिर गए हैं। राहत-बचाव कार्य जारी है। आणंद पुलिस और फायर ब्रिगेड के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कहा कि सोमवार शाम को माही नदी पर बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण स्थल पर तीन मजदूर कंक्रीट ब्लॉक के बीच फंस गए। क्रेन और उत्खनन मशीनों की मदद से राहत-बचाव कार्य जारी है। एक मजदूर को बचा लिया गया है और वह अस्पताल में भर्ती है।

हर प्राइवेट प्रॉपर्टी...

सकता। संविधान पीठ ने इस साल 1 मई को सुनवाई के बाद निजी संपत्ति मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने बहुमत के फैसले में न्यायमूर्ति कृष्णा अय्यर के 1978 के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि निजी व्यक्तियों की सभी संपत्तियों को सरकार की तरफ से उन्नत समाजवादी आर्थिक विचारधारा की तरफ से सामुदायिक संपत्ति कहा जा सकता है, और इसलिए आज यह टिकाऊ नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 1978 के बाद के उन फैसलों को पलट दिया, जिनमें समाजवादी विषय को अपनाया गया था और कहा गया था कि सरकार आम भलाई के लिए सभी निजी संपत्तियों को अपने कब्जे में ले सकती है। अब कोर्ट ने तय कर दिया कि संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के प्रावधानों को मुताबिक निजी संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति नहीं माना जा सकता। अदालत ने आज अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि 1960 और 70 के दशक में समाजवादी अर्थव्यवस्था की ओर बदलाव हुआ था, लेकिन 1990 के दशक से भारत के वैश्वीकरण के लिए खुलने के बाद से ध्यान बाजार से संबंधित अर्थव्यवस्था की ओर चला गया।

देशभर में नहाय ...

को नमन कर प्रसाद ग्रहण करेंगे। गुरुवार शाम अस्ताचलगामी और शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान का समापन होगा। लोक आस्था के सबसे बड़े महापर्व की शुरुआत आज पवित्र स्नान के साथ होगी। इस अवसर पर चार दिवसीय अनुष्ठान का संकल्प लिया गया। कल खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू होगा।

जीएसटी के तहत ...

अभियान में अधिकारियों ने कुल 73,000 कंपनियों की पहचान की थी, जिनके बारे में संदेह था कि ये सिर्फ टैक्स क्रेडिट का फायदा उठाने के लिए बनाई गई थीं, जबकि इन कंपनियों द्वारा कोई वास्तविक माल की बिक्री नहीं की जाती थी। इस तरह की कंपनियां सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा रही थीं। अधिकारियों ने बताया कि इन 73,000 कंपनियों में से करीब 18,000 कंपनियों का कोई वास्तविक अस्तित्व नहीं था। इन फर्जी कंपनियों ने करीब 24,550 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी की। जांच के दौरान कुछ कंपनियों ने स्वेच्छा से 70 करोड़ रुपए का जीएसटी भुगतान भी किया। इससे पहले 16 मई से 15 जुलाई 2023 तक जीएसटी के तहत एक और राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया गया था, जिसमें 21,791 फर्जी कंपनियां सामने आई थीं। इन कंपनियों का कोई वास्तविक अस्तित्व नहीं पाया गया था। उस अभियान के दौरान लगभग 24,010 करोड़ रुपए की संदिग्ध टैक्स चोरी का खुलासा हुआ था। सरकार अब फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन की पहचान और जांच के लिए लगातार सख्त कदम उठा रही है। अधिकारियों का कहना है कि अब ज्यादा से ज्यादा फिजिकल वैरिफिकेशन किए जा रहे हैं ताकि इन फर्जी कंपनियों को पकड़ा जा सके और टैक्स चोरी की रोकथाम की जा सके। इस प्रकार के अभियान यह दिखाते हैं कि सरकार टैक्स चोरी के खिलाफ बहुत गंभीर है और जीएसटी के तहत पारदर्शिता और ईमानदारी को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठा रही है।

नए कानून समकालीन...

इससे राजनयिक दक्षता और राष्ट्रों के बीच आपसी समझ बढ़ती है। बिरला ने कार्यक्रम में भाग ले रहे विभिन्न देशों के राजनयिकों को सुझाव दिया कि वे भारत के लीगल स्ट्रक्चर, संसद की कार्यवाही और भारत के डेमोक्रेटिक सिस्टम की समझ रखें। बिरला ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में हमारी विधायी प्रक्रिया में जनता का विश्वास लगातार बढ़ा है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती और शासन की बढ़ती जवाबदेही को दर्शाता है। विधायी कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता से यह विकास हुआ है। विधि निर्माताओं ने समाज की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार काम किया है, अधिकारों की रक्षा करने वाले, न्याय को बढ़ावा देने वाले और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले कानून बनाए हैं। यह बढ़ा हुआ विश्वास एक स्वस्थ लोकतंत्र को रेखांकित करता है। उन्होंने इन कानूनों में समाहित लैंगिक समानता को देश की व्यवस्था का आधार और संविधान की मूल अवधारणा बताया और कहा कि यह विशेषता दुनिया को मार्गदर्शन देती है। यह विचार व्यक्त करते हुए कि भारतीय कानून सदैव देश की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को प्रतिबिंबित करते हैं, उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा से ही अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का सम्मान किया है और मानवाधिकारों का प्रबल पक्षधर रहा हैं। भारत की यह प्रतिबद्धता सुनिश्चित करती है कि कानून प्रत्येक नागरिक की गरिमा, स्वतंत्रता और समानता को बनाए रखने के लिए बनाए जाएं। लैंगिक समानता, पर्यावरण संरक्षण से लेकर सामाजिक कल्याण और भेदभाव विरोधी प्रगतिशील नीतियों तक, भारतीय कानून सशक्तिकरण के साधन के रूप में काम करते हैं। भारत के मजबूत आर्बिट्रेशन सिस्टम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आर्बिट्रेशन भारत की विरासत है जिसे प्राचीनकाल से ही लोग अपनाते और मानते आए हैं। इस अवसर पर भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश यू.यू. ललित ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।

एशिया को मजबूत...

सिद्धार्थ गौतम का ज्ञान प्राप्त करना इतिहास में अद्वितीय घटना है। उन्होंने न केवल मानव मन के कामकाज के बारे में अतुलनीय समृद्ध अंतर्दृष्टि प्राप्त की, बल्कि उन्होंने बहुजन सुखाय बहुजन हिताय की भावना से सभी लोगों के साथ इसे साझा किया। राष्ट्रपति ने कहा कि सदियों से यह स्वाभाविक ही रहा है कि अलग-अलग साधकों ने बुद्ध के प्रवचनों में अलग-अलग अर्थ निकाले और इस तरह कई तरह के संप्रदाय उभरे। व्यापक वर्गीकरण में, आज हमारे पास थेरवाद, महायान और वज्रयान परंपराएं हैं, जिनमें से प्रत्येक में कई विचारधारा व संप्रदाय हैं। इसके अलावा, बौद्ध धर्म का ऐसा उत्कर्ष इतिहास के विभिन्न कालखंडों में कई दिशाओं में हुआ। एक विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र में धम्म के इस प्रसार ने एक समुदाय, एक बड़ा संघ बनाया। एक तरह से बुद्ध के ज्ञान की भूमि भारत इसका केंद्र है। लेकिन, ईश्वर के बारे में जो कहा जाता है, वह इस बड़े बौद्ध संघ के बारे में भी सच है, इसका केंद्र हर जगह है और परिधि कहीं नहीं है। उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया कई मोर्चों पर अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है, न केवल संघर्ष, बल्कि जलवायु संकट भी तो एक बड़े बौद्ध समुदाय के पास मानव जाति को देने के लिए बहुत कुछ है। बौद्ध धर्म के विभिन्न संप्रदाय दुनिया को दिखाते हैं कि संकीर्ण संप्रदायवाद का मुकाबला कैसे किया जाए। उनका मुख्य संदेश शांति और अहिंसा पर केंद्रित है। यदि कोई एक शब्द बौद्ध धम्म को व्यक्त कर सकता है, तो वह है *करुणा* जिसकी आज दुनिया को जरूरत है। राष्ट्रपति ने कहा कि बुद्ध की शिक्षाओं का संरक्षण हम सभी के लिए महान सामूहिक प्रयास रहा है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि भारत सरकार ने अन्य भाषाओं के साथ-साथ पाली और प्राकृत को भी *शास्त्रीय भाषा* का दर्जा दिया है। उन्होंने कहा कि पाली और प्राकृत को अब वित्तीय सहायता मिलेगी, जो उनके साहित्यिक समृद्धि के संरक्षण और उनके पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

हरियाणा, त्रिपुरा और ...

दी गई है। ये फंड राज्य की 18 पात्र जिला पंचायतों, 139 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 5911 पात्र ग्राम पंचायतों को वितरित किए गए हैं, जिन्होंने रिलीज के लिए अनिवार्य शर्तें पूरी की हैं। त्रिपुरा में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए, 31.40 करोड़ रुपए की अनटाइड अनुदान की पहली किस्त और 47.10 करोड़ रुपए की टाइड अनुदान की पहली किस्त जारी की गई है। ये धनराशि सभी 1260 ग्रामीण स्थानीय निकायों, पारंपरिक स्थानीय निकायों जैसे 1 टीटीएएडीसी (त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद), मुख्यालय; 40 ब्लॉक सलाहकार समितियों; और 587 ग्राम समितियों के लिए है। 15वें वित्त आयोग ने मिजोरम के पीआरआई/आरएलबी के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 के अनटाइड अनुदान की दूसरी किस्त के रूप में 14.20 करोड़ रुपए और वित्तीय वर्ष 2022-23 के टाइड अनुदान की दूसरी किस्त के रूप में 21.30 करोड़ रुपए की राशि जारी की है। ये धनराशि स्वायत्त जिला परिषद क्षेत्रों सहित सभी 834 ग्राम परिषदों के लिए है।

सामागुड़ी में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े

नगांव (हिंस)। असम की पांच विधानसभा सीटों के लिए 13 नवंबर को मतदान होने जा रहा है। उप चुनाव के मद्देनजर सबसे अधिक सुर्खियों में नगांव जिलांतर्गत सामागुड़ी विधानसभा सीट बनी हुई है। पिछले दिनों भाजपा के चुनाव प्रचार कार्यक्रम में हमला किए जाने को लेकर अभी बयानों का दौर थमा भी नहीं था कि बीती रात को फिर से सामागुड़ी में चुनावी हिंसा की घटना सामने आई है। सामागुड़ी निर्वाचन क्षेत्र के बोगामुख नंबर 6 में कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई है। दोनों पक्षों की झड़पों में भाजपा के दो कार्यकर्ता घायल हो गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस चुनाव कार्यालय में घुसकर वीडियो बनाया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उस समय हमला किया जब वे कांग्रेस कार्यालय के बगल में दुकान पर खरीददारी करने जा रहे थे। रूपहीहाट पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में किया लेकिन इलाके में आज भी तनाव जारी है। सामागुड़ी सीट से कांग्रेस के नेता रकीबुल हुसैन लंबे समय तक विधायक रहे हैं। लोकसभा चुनाव में रकीबुल हुसैन ने धुबड़ी सीट से जीत हासिल की, जिसके चलते सामागुड़ी सीट से उन्होंने इस्तीफा दे दिया। रकीबुल हुसैन ने सामागुड़ी सीट से अपने बेटे तंजील हुसैन को कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में उतारा है। रकीबुल हुसैन इस सीट को अपनी नाक की लड़ाई बना लिए हैं, जिसके चलते विधानसभा क्षेत्र में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच आए दिन तीखी बहस एवं झड़प देखी जा रही है।

यह बाकी है और फांकी की सरकार है : मीरा बरठाकुर

शोणितपुर (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस की उपाध्यक्ष मीरा बरठाकुर ने आरोप लगाया है कि यह बाकी और फांकी की सरकार है। उन्होंने आज उपचुनाव में प्रचार करने के बाद बिहाली में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि असम के लोग समझ गए हैं कि यह बाकी है और फांकी की सरकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साढ़े तीन साल के कार्यकाल में असम पर 1,42,000 करोड़ रुपए के कर्ज का बोझ चढ़ गया है। एक प्रश्न के उत्तर में मीरा ने कहा कि भबेश कलिता भाजपा अध्यक्ष हो सकते हैं, लेकिन गौरव गोगोई नहीं बन सकते। कलिता मुख्यमंत्री द्वारा कही गई बातों को कहते हैं। मीरा ने कहा कि लोग भबेश कलिता की बातें नहीं सुन रहे हैं। लोगों के सामने महंगाई, भ्रष्टाचार, सरकारी टैक्स आदि का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि बाइक पर हेलमेट नहीं लगाने वालों से दो हजार रुपए, नो पार्किंग में बाइक खड़ी करने से दो हजार रुपए की फाइन सरकार वसूली कर रही है। यह सरकार लोगों को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि लोग इस बार स्मार्ट मीटर और महंगाई के खिलाफ वोट करेंगे। कांग्रेस नेता बरठाकुर ने आरोप लगाया कि रुपए के बल पर वोट खरीदने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद रंजीत दत्ता के चाय बागान में मजदूरों को महज 150 रुपए की दैनिक मजदूरी दी जाती है। इतने लंबे समय तक विधायक रहकर भी रंजीत दत्ता ने लोगों के लिए कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई के नेतृत्व में बिहाली को बचाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश कांग्रेस में इन दिनों गौरव गोगोई को वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा के मुकाबले अधिक तरजीह दी जा रही है। बिहाली विधानसभा उपचुनाव के मुद्दे पर प्रदेश कांग्रेस में व्याप्त अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गया है। इस सीट पर टिकट देने के मुद्दे पर सांसद गौरव गोगोई और प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा खुलकर आमने-सामने आ गए। ऐसे में बिहाली तथा अन्य चार विधानसभा क्षेत्रों की जनता कांग्रेस उम्मीदवारों पर कितना भरोसा कर सकेगी, यह आने वाला समय ही बताएगा। मतदान का दिन 13 नवंबर के नजदीक आने के साथ ही राजनीतिक दलों की गतिविधियां और तेज होती जा रही है।

तिवा छात्र संघ ने राष्ट्रीय राजमार्ग को किया अवरुद्ध

मोरीगांव (हिंस)। ऑल तिवा छात्र संघ ने विभिन्न आदिवासी संगठनों के साथ मिलकर जागीरोड में राष्ट्रीय राजमार्ग पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया। इस प्रदर्शन का उद्देश्य जागीरोड टाउन कमेटी की स्थापना के खिलाफ विरोध जताना और नामित आदिवासी बेल्ट के भीतर से अतिक्रमणकारियों को हटाने और भारतीय संविधान की छठी अनुसूची में तिवा स्वायत्त परिषद को शामिल करने के संबंध में त्रिपक्षीय बैठक के लिए तत्काल आह्वान समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान आकर्षित कराना था। पुलिस कर्मियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को खाली कराने और प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने की कोशिश की। लेकिन, प्रदर्शनकारी किसी भी हालत में सड़क से हटने को तैयार नहीं थे। प्रदर्शनकारी अड़े रहे। जिसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों के कारण स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर किए गए प्रदर्शन के कारण राजमार्ग काफी देर तक बंद रहा जिसके कारण इसके दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई। जिस कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग को खाली कराने में पुलिस को सफलता मिली।

सुधाकंठ की पुण्यतिथि पर अभाविप ने किया क्विज कंपिटीशन

गुवाहाटी (हिंस)। भारत रत्न सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका की पुण्यतिथि पर आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने गुवाहाटी के नारेंगी स्थित शंकरदेव विद्या निकेतन में एक क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से सुधाकंठ को याद किया। महान असमिया पुरोधा को इस कार्यक्रम में सवालों और जवाबों के माध्यम से याद किया गया। प्रतिस्पर्धा में लगभग एक सौ छात्रों ने भाग लिया। प्रागज्योतिष कॉलेज के छात्र उज्ज्वल ज्योति डेका ने क्विज प्रतियोगिता का संचालन किया। क्विज प्रतियोगिता की शुरुआत में उपस्थित सभी लोगों ने भूपेन हजारिका की छवि के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर भूपेन हजारिका के प्रति उनके सम्मान और असमिया सामाजिक जीवन में उनके योगदान को याद किया।

एसएसबी के महानिदेशक ने किया सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी का दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद ने सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी का दौरा किया। इस दौरान महानिदेशक को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात उन्होंने महानिरीक्षक सीमांत गुवाहाटी एवं उसके सभी अधीनस्थ कमांडरों के साथ समीक्षा बैठक की। एसएसबी द्वारा आज जारी एक बयान में बताया गया है कि बीते सोमवार को सीमांत मुख्यालय पहुंचे महानिदेशक ने समीक्षा बैठक के दौरान बल के प्रचालन, बीओपी तथा वाहिनी का संरचनात्मक विकास, सीमा के ग्रामीण क्षेत्रों का विकास आदि मुद्दों पर जोर देते हुए आवश्यक दिशानिर्देश दिए। महानिदेशक ने सैनिक सम्मेलन के माध्यम से जवानों से परस्पर संवाद किया तथा बताया कि बलकर्मियों के कल्याण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने शारीरिक फिटनेस, खेलकूद तथा संयमित जीवनपद्धति अपनाने पर जोर दिया। महानिरीक्षक सुधीर वर्मा ने महानिदेशक का स्वागत किया तथा सीमांत गुवाहाटी का दौरा करने तथा मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। महानिदेशक के भ्रमण के दौरान डीआईजी (प्रशासन) बलराम सिंह जसवाल, डीआईजी(प्रचालन) एचबीके सिंह, डीआईजी (बंगाईगांव) अमित कुमार ठाकुर, डीआईजी (मेडिकल) जसविंदर कौर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

तिनसुकिया में उल्फा-स्वा के दो लिंकमैन गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया में प्रतिबंधित संगठन उल्फा-स्वा के दो लिंकमैन को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार असम पुलिस ने सैन्य खुफिया इकाई के साथ मिलकर ऊपरी असम के तिनसुकिया जिले में उल्फा-स्वा के ओवर ग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) के खिलाफ एक अभियान चलाया। अभियान में लेखापानी और जागुन से उल्फा-स्वा से जुड़े दो महत्वपूर्ण लिंकमैन को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों की पहचान जागुन के बिजित धर और लेखापानी के नांटू देबनाथ के रूप में की गई है, जो कथित तौर पर स्वंभू मेजर जनरल अरुणोदय दहोतिया सहित उल्फा-स्वा कमांडरों के संचार नेटवर्क का अभिन्न अंग थे। अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों ने लगभग दो लाख रुपए भी बरामद किए। ये रुपए आतंकी फंडिंग गतिविधियों से जुड़े हैं। उल्लेखनीय है कि बीते 15 अगस्त के मौके पर राज्य में 25 स्थानों पर बम लगाए जाने की जांच के सिलसिले में अब तक 12 उल्फा-स्वा लिंकमैन को गिरफ्तार किया जा चुका है।

रंगिया समजिला प्रशासन ने मनाया भाषा गौरव सप्ताह

रंगिया (विभास)। *भाषा गौरव सप्ताह* के संयोजन में रंगिया सम-जिला प्रशासन की पहल के तहत आज सम -जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस अवसर पर स्थानीय ऐतिहासिक हरदत्त-बीरदत्त भवन प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में विशिष्ट निबंधकार मयूर बोरा मौजूद रहे। कामरूप ग्रामीण जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम को संबोधित किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता उपस्थित रहने के अलावा अवसर प्राप्त अध्यापक पविन कलिता, वरिष्ठ नागरिक नरेंद्र शर्मा, भाजपा उत्तर कामरूप जिला अध्यक्ष सुबल पाल सहित रंगिया नगर पालिका के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर और कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में रंगिया के विभिन्न विद्यालय और महाविद्यालय के अध्यापक-अध्यापिका, छात्र छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन समजिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी ने उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

नौकरानी पर 15 लाख के गहने चोरी का आरोप दंपत्ति गिरफ्तार

मालिगांव। मालिगांव बाड़ी पाड़ा के माधव शंकर हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के एक निवासी के घर में एक चौंकाने वाली धोखाधड़ी की घटना घटी। संजय जैन नामक निवासी की पत्नी आशा जैन ने धरा पुर की सीमा दास नाम की एक महिला को घरेलू काम के लिए नियुक्त किया था। कुछ दिनों तक काम करने के बाद, सीमा दास ने संजय जैन के परिवार की सादगी का फायदा उठाकर लगभग 15 लाख रुपए के सोने के आभूषण चुरा लिए और फरार हो गई। इस चोरी के काम में सीमा दास का पति, विकास कलिता ने उसकी मदद की। इस घटना के बाद, सोमवार को संजय जैन ने जलुकबाड़ी थाने में सीमा दास और विकास कलिता के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। जालुकबाड़ी पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी सीमा दास और उसके पति विकास कलिता को गिरफ्तार कर लिया। संजय जैन का परिवार पुलिस की जांच में सच्चाई सामने आने की उम्मीद कर रहा है।

प्रमोद बोड़ो ने कोकराझाड़ में डॉ. भूपेन हजारिका की प्रतिमा का अनावरण किया

कोकराझाड़। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने आज कोकराझाड़ के सुधाकांठा कानन में प्रसिद्ध *ब्रह्मपुत्र के कवि* डॉ. भूपेन हजारिका की एक भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक हस्ती की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर उनके सम्मान में *भूपेंद्र बैभव* नामक स्मारिका का भी विमोचन किया गया। अपने संबोधन में बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रतिमा डॉ. भूपेन हजारिका को श्रद्धांजलि मात्र नहीं ह, यह एकता, सामूहिक विकास और सामाजिक सद्भाव की स्थायी भावना का प्रतिनिधित्व करती है। असमिया संगीत, संस्कृति और सामाजिक एकीकरण में डॉ. भूपेन हजारिका के अपार योगदान पर विचार करते हुए बोड़ो ने विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए बीटीसी सरकार के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बोड़ोलैंड में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। इस दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में, बोड़ो ने बोड़ोलैंड के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य को बढ़ाने के उद्देश्य से कई विकास पहलों की घोषणा की। प्रमुख घोषणाओं में तामुलपुर में प्रसिद्ध सांस्कृतिक प्रतीक कलागुरु बिष्णु प्रसाद राभा की प्रतिमा का निर्माण और बक्सा में 10 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश से डॉ. भूपेन हजारिका भवन की स्थापना शामिल है। इसके अलावा, बोड़ो ने डॉ. भूपेन हजारिका के 200 से अधिक गीतों का बोड़ो भाषा में अनुवाद करने के लिए समर्थन दिया, यह एक परियोजना है जिसे कोकराझाड़ में चलाया जाएगा। असम के कपड़ा मंत्री और कोकराझाड़ के संरक्षक मंत्री यूजी ब्रह्मा ने भी सभा को संबोधित किया और डॉ. भूपेन हजारिका की कालातीत विरासत की प्रशंसा की। उन्होंने बोड़ोलैंड के विविध समुदायों में सद्भाव और सहयोग को बढ़ावा देते हुए क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने के लिए बीटीसी की प्रतिबद्धता के बारे में बात की। असम साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व डीजीपी कुलधर सैकिया ने इस दृष्टि को साकार करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रतिमा को मानवता का एक शक्तिशाली प्रतीक और डॉ. हजारिका के वैश्विक प्रभाव की याद दिलाने वाला बताया, जो भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमाओं से परे है। इस कार्यक्रम में सांसद जयंत बसुमतारी, विधायक लॉरिंस इस्लेरी, कोकराझाड़ डीसी मसंदा पर्टिन, बोड़ो साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. सुरथ नरजारी, प्रमुख कलाकार कमल चंद्र कटकी सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए, जिन्होंने डॉ. भूपेन हजारिका की स्थायी विरासत का जश्न मनाया।

सरदार शहर परिषद का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। सरदार शहर नागरिक परिषद गुवाहाटी के प्रवासी बंधुओं का माछखोआ स्थित आई टी ए सेंटर में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ परिषद के अध्यक्ष चंदनमल सेठिया, मंत्री पवन जम्मड़, पूर्व अध्यक्ष जुगराज बोथरा, उपाध्यक्ष स्वरूप बरड़िया व सुशील सेठिया, राजकरण बुच्चा, निर्मल शामसुखा, कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक संदीप नाहटा, पूर्व मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक धनपत सेठिया-मनोज भंसाली राकेश श्यामसुखा, अशोक बोरड, आर पी सुरेखा राजेश जम्मड़, सागर संचेती ने भगवान गणेश की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष चंदनमल सेठिया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में असम व यहां रहनेवाले सभी सरदारशहर वासीयो को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी संस्था को 24 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। इस दौरान हमने होली दिवाली प्रीति सम्मेलन दुर्गा पूजा पर पानी स्टॉल के अलावा कई जन सेवा के कार्यक्रम भी किए हैं। आगामी होली के अवसर पर हम रजत जयंती का आयोजन भी करेंगे। जिसमें सभी समाज बंधुओ की सहयोग की हम कामना करते हैं। इस कार्यक्रम का संचालन परिषद के मंत्री पवन जम्मड़ ने किया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में समाज की महिलाओं के नेतृत्व में नारी शक्ति नामकरण से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जिसका संचालन कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका मीनाक्षी बुच्चा और प्रतिभा लुणीया ने किया। संस्कृतिक संध्या की सह-संयोजिका मंजू सेठिया, सरोज बरडिया, रंजू बरडिया, बबीता जम्मड़, सुशीला झाकल, ममता जम्मड़, ममता श्यामसुखा और भूमिका भंसाली ने समाज के बच्चों को कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत नवदुर्गा द्वारा महिषासुर वध नृत्य से हुआ। मोहन राज ने मिमिक्री करके हंसी का वातावरण बना दिया। बच्चों के नृत्य के पश्चात समाज की महिलाओं ने बिहू नृत्य किया।

झंडोत्तोलन के साथ सूर्य षष्ठी समाज कल्याण समिति ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया

नगांव (निसं)। सूर्य उपासना के महापर्व छठ का आज नहाय-खाय से व्रत समग्र देश के साथ नगांव शहर में भी आरंभ हो गया है। उल्लेखनीय है कि छठ पर्व दो दिन के बाद घरो से निकलकर घाटो पर मनाया जाएगा, इसलिए घाटो पर छठ पर्व की तैयारिया अंतिम चरण में चल रही है कल बुधवार तक छठ पूजा के लिए शहर के विभिन्न घाट सज के तैयार हो जाएगे और वृहस्पतिवार को अस्ताचल गामी भगवान भास्कर को अर्घ्य और शुक्रवार को उदीयमान भुवन भास्कर को अर्घ्य दिया जाएगा। इस बीच बुधवार को खरना संपन्न होगा। विभिन्न घाटो पर छठ पर्व से जुड़ी विभिन्न समितियां घाटो को सजाने की तैयारी करती आई है और इस वर्ष भी नगांव में विशेष रुप से सूर्य षष्ठी समाज कल्याण समिति और छठ व्रत समिति घाटों पर मुख्यत: तैयारी कर रही है और इस वर्ष वृहस्पतिवार को नेहरुवाली घाट पर व श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर घाट पर प्रत्येक वर्ष की तरह रात्रि जागरण का आयोजन किया जाएगा तथा विशेष बने पंडाल में भजन कार्यक्रम के अतिरिक्त अन्य संस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न होगें। आज सूर्य षष्ठी समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में नेहरुवाली घाट पर समाज सेवी प्रेम कुमार नहाटा ने और श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर घाट पर छठ व्रत समिति के तत्वावधान में समाज सेवी सीताराम बुधिया ने झंडोत्तोलन कर दोनों समितियों के चार दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने अपने अतिथियों का फुलाम गोमछा से अभिनंदन किया गया।

नगांव : श्री श्याम निशान यात्रा की तैयारियां जोरों पर

नगांव (निसं)। कलयुग के अवतार श्री श्याम प्रभु के जन्मोत्सव के उपलक्ष पर कार्तिक शुक्ल एकादशी पर 12 नवंबर मंगलवार को नगांव की अग्रणी धार्मिक संस्था श्री श्याम परिवार के तत्वाधान में नगांव के विश्वविख्यात श्री महामृत्युंजय मंदिर से श्री श्याम धाम, नगांव तक एक विशाल निशान यात्रा निकाली जाएगी। इस 14 कि. मि. की पैदल निशान यात्रा में सैकड़ों की संख्या में यात्रियों के शामिल होने की संभावना व्यक्त की गई है। निशान यात्रा के आयोजन को लेकर भक्तों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन सुबह 8:15 बजे श्री श्याम मंदिर, नगांव से सभी यात्री गाड़ी द्वारा श्री महामृत्युंजय मंदिर पहुंचेगें। तत्पश्चात 10 बजे श्री श्याम बाबा के जयकारों के साथ ज्योत प्रज्ज्वलित कर, निशान की पुजा-अर्चना कर यात्रा प्रारम्भ की जाएगी। यात्रा में बाबा का भव्य दरबार सुसज्जित रथ पर सजाया जाएगा। उक्त सुसज्जित दरबार का रथ आगे आगे और भक्त निशान लिए साथ साथ चलेंगे। प्राचीन लोक मान्यताओं अनुसार श्री श्याम प्रभु को निशान चढाने से बाबा भक्तो की हर मनोकामनाएं पुर्ण करते हैं और उस पर बाबा की विशेष कृपा बरसती है। इसके चलते भक्तों में निशान चढ़ाने का काफी उत्साह रहता है और भक्त लोग बढ़-चढ़कर पंजिकरण भी करवा रहें हैं। यात्रा के दौरान बिच रास्ते में विश्राम के लिए दो पड़ाव निर्धारित किए गए हैं, एक उड़ियागांव पेट्रोल पंप, दूसरा न्यू चित्रवन के विपरीत बन रहे भवन में। जिसमें मुख्य पड़ाव न्यू चित्रवन के सामने निर्माण हो रहे भवन (नतून बाजार) रहेगा, जहां विश्राम के साथ भोजन एंव व्रत धारियों के लिए फलाहार की व्यवस्था की गई है। साथ ही यहां समाज के लोगों के लिए भी प्रसाद की व्यवस्था की गई है तथा समाज के लोगों से निवेदन किया गया है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंच कर प्रसाद ग्रहण कर भजनों का आनंद लेते हुए यात्रा में शामिल हो। पड़ाव से जब यात्रा निकलेगी तो रंग-बिरंगी आसमान को छुती हुई आतिशबाजी एंव ढोल नगाड़ो के साथ यात्रा श्री श्याम धाम पहुंचेगी। इस यात्रा को सफल बनाने के लिए श्री श्याम परिवार के सभी सदस्य कमर तोड़ मेहनत कर रहे है। पंजिकरण के लिए श्री श्याम परिवार के राहुल भजनका, अशोक वर्मा, प्रवीण मोर, अनुराग खेडिया, कमल बंसल, नितु पोद्दार, पल्लवी भजनका, वन्दना माहेश्वरी, सुनीता भजनका, आशा बजाज से संपर्क किया जा सकता है। इधर श्री श्याम धाम में निशान यात्रा के बाद मंदिर परिसर में संध्या आरती के बाद भजनो का विशेष कार्यक्रम श्री श्याम सेवा समिति द्वारा आयोजित किया गया है जिसमे मुंबई से प्रमोद त्रिपाठी और लाडनु (राजस्थान) से कृष्णा दोलावत को आमंत्रित किया गया। श्री श्याम जन्मोत्सव के लिए मंदिर परिसर का आकर्षक श्रृंगार किया जा रहा है।

संपादकीय

कश्मीर में 'आतंक' पर सवाल

जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में लगातार दूसरे दिन आतंकी हमला किया गया। रविवार को जहां ग्रेनेड फटा, उससे मात्र 600 मीटर दूर मुख्यमंत्री आवास और ऐतिहासिक 'लाल चौक' हैं। यह उच्चतम सुरक्षा का क्षेत्र है। फिर ऐसे क्षेत्र में आतंकी और उनके हथियार कैसे पहुंच गए? यह बेहद गंभीर सवाल है। हमारी सुरक्षा-व्यवस्था पर भी सवाल उठते हैं। आतंकियों के निशाने पर सीआरपीएफ के बंकर थे, लेकिन ग्रेनेड भीड़-भाड़ वाले साप्ताहिक बाजार में फटा, नतीजतन 12 नागरिक घायल हो गए। घायलों में 6 की उम्र 20 साल से कम बताई गई है। जहां आतंकी हमला किया गया, उसके पास ही पर्यटक स्वागत केंद्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन केंद्र, कई बस्तियां और बाजार हैं, लिहाजा यह बेहद भीड़वाला इलाका है। कश्मीर घाटी में इधर जितने भी हमले हुए हैं, वे सभी बाहरी आतंकियों ने किए हैं। श्रीनगर के हमले स्पष्ट करते हैं कि आतंकी सरहद से घनी आबादी के बीच आसानी से पहुंच रहे हैं, लिहाजा सुरक्षा बलों और सेना को घुसपैठ रोकने के लिए कड़ी प्रहारात्मक कार्रवाई करनी होगी।

> हमारी सुरक्षा-व्यवस्था पर भी सवाल उठते हैं। आतंकियों के निशाने पर सीआरपीएफ के बंकर थे, लेकिन ग्रेनेड भीड़-भाड़ वाले साप्ताहिक बाजार में फटा, नतीजतन 12 नागरिक घायल हो गए। घायलों में 6 की उम्र 20 साल से कम बताई गई है। जहां आतंकी हमला किया गया, उसके पास ही पर्यटक स्वागत केंद्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन केंद्र, कई बस्तियां और बाजार हैं, लिहाजा यह बेहद भीड़वाला इलाका है। कश्मीर घाटी में इधर जितने भी हमले हुए हैं, वे सभी बाहरी आतंकियों ने किए हैं। श्रीनगर के हमले स्पष्ट करते हैं कि आतंकी सरहद से घनी आबादी के बीच आसानी से पहुंच रहे हैं, लिहाजा सुरक्षा बलों और सेना को घुसपैठ रोकने के लिए कड़ी प्रहारात्मक कार्रवाई करनी होगी।

बाहरी आतंकियों की पहचान पुख्ता कर उन्हें ढेर करना होगा। अनुच्छेद 370 और 35-ए निरस्त करने के बाद से श्रीनगर शांत था। कोई आंदोलन नहीं, कोई बहिष्कार नहीं था। यहां आखिरी आतंकी हमला अप्रैल, 2022 में हुआ था। तब 2 आतंकी मारे गए थे। इधर चुनाव होने और लोकतांत्रिक सरकार बनने के बाद आतंकी हमलों की निरंतरता बढ़ी है। बीती 18 अक्तूबर को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के चुनाव क्षेत्र गांदरबल जिले में जो आतंकी हमला किया गया था, उसके बाद 9 आतंकी हमले किए जा चुके हैं। हमारे जांबाज जवान 'शहीद' हुए हैं और घायल भी हुए हैं, लेकिन 9-10 आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया है। हमलों की निरंतरता पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सवाल किए हैं कि ये आतंकी हमले बढ़ क्यों रहे हैं? सरकार बनने से पहले हमलों में तेजी क्यों नहीं आई? इसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फल-फूल रहा था, लेकिन यह सबसे निचले स्तर पर था, लिहाजा मैं जांच की मांग कर रहा हूं। श्रीनगर के खानयार में आतंकी को मारा नहीं जाना चाहिए था। आतंकियों को जिंदा पकड़ें, ताकि पता चल सके कि क्या उमर सरकार को अस्थिर करने का काम किसी एजेंसी को सौंपा गया है? फारूक किस एजेंसी की बात कर रहे हैं? यदि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई पर संदेह है, तो कश्मीर के आतंकवाद में उसकी भूमिका तय है। हम महसूस कर चुके हैं। यदि भारत की किसी एजेंसी पर फारूक को शक है, तो उसके नाम का खुलासा करें। ऐसे आरोप बेमानी हैं। जब गांदरबल जिले में आतंकी हमला किया गया था, तब फारूक ने पाकिस्तान के खिलाफ बेहद तल्ख टिप्पणियां की थीं और कहा था-कश्मीर पाकिस्तान नहीं बनेगा, नहीं बनेगा। लेकिन अब फारूक अब्दुल्ला का स्वर बदला हुआ है। उमर सरकार के खिलाफ साजिश कौन करेगा? नेशनल कॉन्फ्रेंस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, लिहाजा सरकार उसी के नेतृत्व में बननी थी। दरअसल कश्मीर में आतंकवाद कहां समाप्त हुआ है? बेशक आतंकियों की संख्या मु_ी भर है, लेकिन पूरे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद सक्रिय रहा है। बेशक नया कश्मीर उभर रहा है। कई हजार करोड़ रुपए का निवेश आया है। स्कूल-कॉलेज, स्टेडियम, बाजार, डल लेक आदि सभी आकर्षक स्थल खुले हैं। सर्दियां आरंभ हो गई हैं, लिहाजा औसतन हर सप्ताह करीब 1200 वेंडर्स श्रीनगर के साप्ताहिक बाजार में आते हैं और अपने गर्म कपड़े बेचते हैं। उसी भीड़ पर वह ग्रेनेड फटा था। सैलानियों की अच्छी-खासी संख्या भी कश्मीर में दस्तक दे रही है। राजस्व की आमद शुरू हो चुकी है, लेकिन अभी भारत सरकार या मुख्यमंत्री किसी भी तरह का दावा नहीं कर सकते कि आतंकवाद मृतप्राय हो गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी कहा है कि नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं है। सुरक्षा तंत्र को जल्द ही इन हमलों को नेस्तनाबूद करने की कोशिश करनी चाहिए।

ट्रूडो सरकार को चेता कर हिंसा को असहनीय बताया एवं कहा कि ऐसी घटनाएं भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पायेंगी

भारत विरोधी खालिस्तानियों को ट्रूडो सरकार की शह

ललित गर्ग

> खालिस्तानी झंडे लिये प्रदर्शनकारियों ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हमला बोला, हिन्दुओं के साथ हिंसक झड़प की, जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बन कर भारत विरोधी तत्वों को शह देती रही है। इसके अलावा कनाडा के प्रमुख शहरों, टोरंटों, वैंकूवर और सरे से मंदिरों पर भी हमले खबरें परेशान करने वाली हैं। सभी जगहों पर हमला खालिस्तान समर्थक अतिवादियों ने किया। इन हमलों ने कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, वीडियो में मारपीट के दृश्य भी दिखाई दे रहे हैं।

कनाडा भारत विरोधी गतिविधियों एवं खालिस्तानी अलगाववाद को पोषण एवं पल्लवन देने का बड़ा केन्द्र बनता जा रहा है। खालिस्तानी झंडे लिये प्रदर्शनकारियों ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हमला बोला, हिन्दुओं के साथ हिंसक झड़प की, जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बन कर भारत विरोधी तत्वों को शह देती रही है। इसके अलावा कनाडा के प्रमुख शहरों, टोरंटों, वैंकूवर और सरे से मंदिरों पर भी हमले खबरें परेशान करने वाली हैं। सभी जगहों पर हमला खालिस्तान समर्थक अतिवादियों ने किया। इन हमलों ने कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, वीडियो में मारपीट के दृश्य भी दिखाई दे रहे हैं। जानबूझकर मन्दिर पर किये इन हमलों की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि कायराना एवं शर्मनाक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन घटनाओं की निन्दा करते हुए ट्रूडो सरकार को चेता कर हिंसा को असहनीय बताया एवं कहा कि ऐसी घटनाएं भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पायेंगी। निश्चित ही खालिस्तानी पृथकतावादियों को खुली छूट देकर ट्रूडो सरकार दोनों देशों के आपसी संबंधों में कडवाहट घोल रहे हैं। यह विडंबना ही है कि कानून का पालन करने वाले प्रवासी भारतीय सदस्यों की सुरक्षा और संरक्षा दांव पर है। दरअसल, अल्पमत में आई ट्रूडो सरकार राजनीतिक स्वार्थों के लिये निचले स्तर का खेल खेल रही है। वह अगले साल होने वाले आम चुनाव में फिर सरकार बनाने के लिये ऐसे संकीर्ण, विघटनकारी एवं स्वार्थी राजनीतिक हथकंडों को अपनाकर अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी चला रही है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, भारत-कनाडा संबंधों को बचाने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे भारत-कनाडा संबंधों को सामान्य बनाने के लिये यह अपरिहार्य अनिवार्य शर्त भी है। निश्चित रूप से जस्टिन ट्रूडो सरकार को वहां सक्रिय खालिस्तानी अलगाववादियों को भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिये कनाडाई क्षेत्र के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देनी चाहिए, क्योंकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ट्रूडो सरकार द्वारा उपद्रवियों को संरक्षण देना उसकी राजनयिक और लोकतांत्रिक साख को कमजोर करने वाला कदम ही है। राजनीतिक स्वार्थों के लिये प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खालिस्तान समर्थकों का

सहारा लेकर भारत की एकता और अखंडता को खण्डित करने पर तूले हैं, वे खालिस्तानी अतिवादियों को बेलगाम करके खूद के लिये भी खतरा मोल ले रहे हैं, वे यह समझने को तैयार नहीं कि खालिस्तान समर्थक भारत के साथ-साथ कनाडा के लिए भी खतरा बन सकते हैं। वे पहले से ही ड्रग्स और हथियारों के साथ मानव तस्करी में लिप्त हैं। जस्टिन ट्रूडो को यह समझना होगा कि कनाडा की नागरिकता लिए खालिस्तानी अतिवादी खालिस्तान का कितना ही शोर मचाएं, भारत में उसका कहीं कोई समर्थन नहीं और भारत की एकता पर उसका तनिक भी असर नहीं होने वाला है। गौर करने वाली बात यह है कि ट्रूडो के मुकाबले इस घटना की ज्यादा कड़ी निंदा कनाडा के ओंटारियो सिख ऐंड गुरुद्वारा कौंसिल ने की है। वैसे यह भी ध्यान रखना होगा कि मंदिरों में जिन पर हमला हुआ, वे भी कनाडा के ही नागरिक हैं। जस्टिन ट्रूडो ने जितनी सक्रियता खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर के मामले में दिखाई, उतनी इस मामले में भी दिखाते, तो शायद चीजें बदल सकती थीं, जो उनके लिये ज्यादा राजनीतिक लाभकारी होती। यह एक विडंबना ही है कि कुछ दशक पहले तक खालिस्तान के जिस पागलपन ने भारत को काफी परेशान किया था, पंजाब एवं समूचा देश लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद का शिकार रहा और अब जब भारत से उसका नामो-निशान तक मिट चुका है, तो कनाडा में उसे जोर-शोर से पाला-पोसा जा रहा है। मामला सिर्फ इतना नहीं है, कनाडा अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ होने दे रहा है, तो इस पर पूरी विश्व बिरादरी को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। हम सीमा पार आतंकवाद फैलाने के पाकिस्तानी दंश को लंबे अरसे से भोगते रहे हैं और अब कनाडा में जो हो रहा है, वह भी एक तरह से सीमा पार अलगाववाद फैलाना ही है। भारत को कनाडा के साथ अमेरिका के रवैये पर भी ध्यान देना होगा, क्योंकि वह गुरपतवंत सिंह पन्नू को खुले तौर पर संरक्षण दे रहा है। भारत के खिलाफ विदेश की धरती से हो रहे इन षड़यंत्रों एवं साजिशों को गंभीरता से लेना होगा। पिछले साल खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो सरकार लगातार, भारत के साथ लापरवाही से रिश्ते खराब कर रही है। इस नतीजे पर पहुंचने का एक कारण यह भी है कि कनाडा के साथ अमेरिका की भी नागरिकता लिए खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कुछ दिनों पहले यह धमकी दी थी कि कनाडा के हिंदुओं को दीवाली नहीं मनाने दी जाएगी। इस धमकी के बाद भी यदि खालिस्तानी चरमपंथी हिंदू मंदिर में धावा बोलने आ गए तो इसका यही मतलब निकलता है कि कनाडा सरकार का उन पर लगाम लगाने का कोई इरादा नहीं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और वहां के प्रमुख विपक्षी दल के नेता ने हिंदू मंदिर को निशाना बनाए जाने की निंदा की, लेकिन इनमें से किसी ने भी खालिस्तान समर्थकों का उल्लेख करना आवश्यक नहीं समझा, इससे स्पष्ट है कि कनाडा सरकार खालिस्तानियों को खुला समर्थन कर रही है। बहरहाल, यह तय है कि रह-रह कर सामने आ रही यह हिंदू-सिख संबंधों में तल्खी, भारत तथा कनाडा सरकारों के संबंधों में आ रही गिरावट से गहरे तक जुड़ती है। हाल के दिनों में कनाडा सरकार के मंत्रियों ने मर्यादा की सीमाएं लांघते हुए भारत सरकार पर अनेक आक्षेप किये हैं। यहां तक कि कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने भारतीय गृह मंत्री पर आरोप लगाये कि उन्होंने कनाडा में भारत विरोधी अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये हिंसा व खुफिया जानकारी जुटाने के आदेश दिए। जैसा कि स्वाभाविक ही था इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप का भारत सरकार ने भी कड़ा प्रतिवाद किया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। नई दिल्ली ने इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताकर नकार दिया है। कनाडा सरकार इसके कोई ठोस प्रमाण न देकर खुद को ही हंसी का पात्र बनाया।

दृष्टि कोण

भारतीय क्रिकेट में बदलाव की मांग उचित

घटनाओं के एक उल्लेखनीय और अप्रत्याशित मोड़ में, न्यूजीलैंड ने भारतीय धरती पर भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत हासिल की, जिसने प्रशंसकों और विशेषज्ञों को चौंका दिया। यह उपलब्धि कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, क्योंकि भारत की घरेलू पिचें, जो अपने स्पिन-अनुकूल स्वभाव के लिए जानी जाती हैं, लंबे समय से राष्ट्रीय टीम के लिए एक किला रही हैं, जिससे किसी भी मेहमान टीम द्वारा श्रृंखला जीतना दुर्लभ हो गया है। यह 3.0 की जीत न्यूजीलैंड के लिए एक अभूतपूर्व सफलता है और भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण झटका है। इसने खेल के सभी निकायों के भीतर चिंतन की लहर और बदलाव की मांग को बढ़ावा दिया है। भारत में टेस्ट सीरीज जीतना क्रिकेट में सबसे कठिन चुनौतियों में से एक माना जाता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने घरेलू मैदानों पर दबदबा बनाया है, जिसमें स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठाया गया है और विरोधियों से उच्च स्तर की अनुकूलनशीलता और कौशल की आवश्यकता होती है। न्यूजीलैंड का क्लीन स्वीप न केवल उनकी अनुकूलनशीलता को दर्शाता है, बल्कि तैयारी और रणनीति के असाधारण स्तर को भी दर्शाता है जिसने उन्हें भारत की ताकत को खत्म करने की अनुमति दी। यह जीत निस्संदेह विश्व क्रिकेट में शीर्ष दावेदार के रूप में न्यूजीलैंड की प्रतिष्ठा को बढ़ाएगी। श्रृंखला में आश्चर्यजनक हार के बाद, भारत का क्रिकेट समुदाय निराशा से भरा हुआ है, जिससे टीम की दिशा और नेतृत्व पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसकों और विश्लेषकों ने भारत के असंगत प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त की है और कोचिंग तथा चयन रैंक के भीतर आत्मनिरीक्षण की मांग की है। आलोचकों का तर्क है कि कोचिंग स्टाफ ने देश की प्रतिभा के विशाल पूल का अधिकतम उपयोग नहीं किया है, खासकर बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के प्रमुख क्षेत्रों में। टीम प्रबंधन के लिए एक नए दृष्टिकोण की मांग की जा रही है, जिसमें कुछ लोग टीम में नए दृष्टिकोण और रणनीतियों को शामिल करने के लिए पूर्व भारतीय टेस्ट कप्तानों को विभिन्न कोचों के रूप में शामिल करने की वकालत कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसने टीम चयन प्रक्रियाओं की बारीकी से जांच करने का आग्रह किया है। कई लोगों का मानना है कि उभरते हुए खिलाडियों को अधिक अवसर दिए जाने चाहिएं, ताकि स्पॉट के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित हो और एक नया जोश भरा टीम लाइनअप हो जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को संभाल सके। इस झटके के बावजूद, विदेशी धरती पर भारत की हाया सफलताएं, जैसे कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में उल्लेखनीय जीत, चुनौतीपूर्ण वातावरण में टीम की लचीलापन और क्षमता की याद दिलाती हैं। इन जीतों ने वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत किया है, जो घर से बाहर उनकी अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है। हालांकि, न्यूजीलैंड की मौजूदा जीत, साथ ही 2021 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की जीत, कीवी टीम के एक दुर्जेय क्रिकेट पक्ष के रूप में खुद के विकास को रेखांकित करती है। उनकी अनुकूलन क्षमता, सामरिक प्रतिभा और अनुशासित दृष्टिकोण ने उन्हें एक ऐसी टीम बना दिया है जिसका सम्मान किया जाना चाहिए। जैसा कि यह श्रृंखला समाप्त हो गई है, यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, पुनर्मूल्यांकन, पुनर्संतुलन और सुधार की दिशा में निर्णायक कदम उठाने का समय है। आगे की राह में नेतृत्व में रणनीतिक बदलाव, चयन मानदंडों का पुनर्मूल्यांकन और नई प्रतिभाओं को पोषित करने की प्रतिबद्धता शामिल होगी। न्यूजीलैंड के लिए, यह कठिन संघर्ष वाली जीत उनके धैर्य और रणनीतिक कौशल का प्रमाण है। यह याद दिलाता है कि दृढ़ता और अनुकूलनशीलता सबसे चुनौतीपूर्ण वातावरण पर भी विजय प्राप्त कर सकती है। न्यूजीलैंड की जीत को दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में मनाया जाएगा, जो क्रिकेट की दुनिया में एक प्रेरणादायक उपलब्धि है। जबकि भारतीय प्रशंसक तेजी से पुनरुत्थान की उम्मीद कर रहे हैं और न्यूजीलैंड की तर्ज पर भारत की ऑस्ट्रेलिया की धरती पर जीत की उम्मीद कर रहे हैं। साथ ही यह भी सच है कि वल्ड कप और अन्य सीरीज तथा मैचों में हमारे देश की क्रिकेट टीम का प्रदर्शन अब तक बहुत अच्छा भी रहा है। हमारे देश की क्रिकेट टीम दुनिया की नंबर वन टीम भी है। हमारे देश के हर खिलाड़ी का सपना और विश्वास होता है कि वो जीत हासिल करे, लेकिन खेल में हर बार हर खिलाड़ी को सफलता ही मिले, यह भी संभव नहीं। हमें अपनी टीम के शानदार प्रदर्शन को याद रखना चाहिए। अगर किसी मैच में हार भी मिलती है तो हमें अपने खिलाडियों का विरोध नहीं करना चाहिए और न ही हमारी टीम को निराश होना चाहिए, बल्कि टीम को अपनी हार पर मंथन करते हुए अपनी त्रुटियों को दूर करते हुए पूरे जोश के साथ अगले मैच खेलने चाहिएं।

कुछ अलग

बढ़ता दवा निर्यात

प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना का सबसे ज्यादा असर ड्रग्स और फार्मास्युटिकल्स (दवा उद्योग) के निर्यात में देखने को मिला है। अब भारतीय दवाओं का निर्यात पश्चिमी देशों में लगातार बढ़ रहा है। इन देशों में अमेरिका के अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी, रूस और यूक्रेन शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका में भी दवाओं का निर्यात बढ़ा है। यूरोप, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीकाई देशों में बड़ी मात्रा में दवाओं का निर्यात होने से इस क्षेत्र में भारत की साख वैश्विक स्तर पर स्थापित हो रही है। 2019-20 में दवाओं का निर्यात 20.68 अरब डॉलर होता था, जो 2023-24 में बढक़र 28 अरब डॉलर हो गया है। इस निर्यात में रेखांकित करने वाली बात है कि चालू वित्त वर्ष के अप्रैल से सितंबर माह के बीच जहां कुल वस्तुओं के निर्यात में सिर्फ एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, वहीं दवाओं के निर्यात में 7.99 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। अप्रैल से सितंबर के बीच 14.45 अरब डॉलर की दवाएं निर्यात की जा चुकी हैं। दवा निर्माण करने वाले उद्योगों के पास जो अग्रिम आदेश आ चुके हैं, उनके अनुसार इस वित्तीय वर्ष के अंत तक दवा निर्यात का आंकड़ा 30 अरब डॉलर पार करने की उम्मीद की जा रही है। कोरोना महामारी तक दवा के कच्चे माल और अन्य कई प्रकार की दवाओं की उपलब्धता के लिए भारत एक हद तक आयात पर निर्भर था। इसे भारत सरकार ने एक चुनौती के रूप में लिया और दवा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के नजरिए से पीएलआई योजना लाई गई। इस योजना के अंतर्गत दर्जनों कंपनियां प्रोत्साहित हुईं और गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन करने लग गईं। उत्पादन बढ़ा तो निर्यात की संभावनाएं भी बढने लगीं, जिसका परिणाम अब प्रत्यक्ष देखने को मिल रहा है। तरल नीति बनी तो इन औषधि उद्योगों ने उत्तम गुणवत्ता की दवाएं बनाने के साथ दरें भी अपेक्षाकृत कम रखीं। इस कारण महंगी दवाओं के चलते इलाज न करा पाने वाले दुनिया के करोड़ों गरीब मरीजों के लिए भारत हमदर्द बन गया। भारत ने ब्रांडेड दवाओं के साथ सस्ती जेनेरिक दवाओं का निर्माण करने के साथ पूरी दुनिया में इनका निर्यात भी किया। फार्मा विशेषज्ञ पदोन्नति परिषद के मुताबिक वर्ष 2021-22 में भारत ने 24.47 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया था, जिसके 2030 तक 70 अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। वर्तमान में दुनिया के 206 से अधिक देशों में भारत दवाओं का निर्यात करता है। इनमें जेनेरिक दवाएं तो कम हैं, किंतु ब्रांडेड दवाओं का निर्यात ज्यादा होता है। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आस्ट्रेलिया से जो द्विपक्षीय व्यापार समझौता किया था, उसके तहत भी भारत से दवाओं का निर्यात बढ़ा है। आस्ट्रेलिया को भारत अभी एक वर्ष में 34 करोड़ डॉलर की दवाएं निर्यात करता है, जो एक अरब डॉलर तक पहुंच जाएंगी। यूएई के बाजार से भारतीय दवाएं अफ्रीका के देशों में जाएंगी। दक्षिण अमेरिका के देश भी भारत की सस्ती दवाओं के लिए अपने द्वार खोल रहे हैं। यूक्रेन से लड़ाई के चलते पश्चिमी व नाटो देशों ने रूस को अनेक प्रकार की दवाएं देने पर रोक लगा दी है। इसलिए रूस ने भारत से दवाएं मांगी और भारत ने दवाएं रूस को देने का द्वार खोल दिया। यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और कनाडा के साथ भी ऐसे कारोबारी समझौते हुए हैं, जो भारत की जेनेरिक दवाएं खरीदने लगे हैं। इन दवाओं के निर्यात में कोई कमी न आए, इस दृष्टि से 35 एक्टिव फार्मास्यूटिकल्स इंग्रिडिएंट्स इकाइयों को उत्पादन बढ़ाने की अनुमति दी गई है।

देश दुनीया से

दिवाली उत्सव का स्याह पक्ष

दिवाली का त्योहार संपन्न हो चुका है। अब जगह-जगह से प्रदूषण के कारण दम घुटने जैसी स्थिति की खबरें आनी शुरू हो चुकी हैं। दिवाली के बाद दिल्ली के साथ-साथ देश के अन्य इलाकों में भी प्रदूषण की स्थिति गंभीर हो जाती है। यह दिवाली का स्याह पक्ष है। दिवाली के इस पावन पर्व पर अक्सर विभिन्न विवाद भी सामने आते हैं, खासकर पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को लेकर। इस दिन लोग आतिशबाजी करते हैं और पटाखे जलाते हैं, जिससे प्रदूषण की समस्या खड़ी होती है। पर्यावरणविदों और समाज के कुछ वर्गों का मानना है कि पटाखों से वायु और ध्वनि प्रदूषण होता है, जो मानव और पर्यावरण के लिए हानिकारक है। इस विचार को लेकर कई बार विवाद उत्पन्न होते हैं और दिवाली के इस पवित्र पर्व को पर्यावरण की दृष्टि से नकारात्मक रूप में देखा जाने लगता है। हालांकि यह सत्य है कि पटाखों से कुछ हद तक प्रदूषण होता है, लेकिन इसके बावजूद इस विवाद को लेकर एक पक्ष यह भी कहता है कि प्रदूषण केवल पटाखों से नहीं होता, बल्कि अन्य गतिविधियों से भी होता है। वाहनों का धुआं, कारखानों से निकलने वाला प्रदूषण, औद्योगिक विकास के कारण पेड़ों की कटाई और अन्य मानव जनित क्रियाओं के कारण भी पर्यावरण को हानि पहुंचती है। लेकिन कुछ लोग दीपावली के अवसर पर ही पर्यावरण की चिंता प्रकट करते हैं, जबकि अन्य समय में यह मुद्दा उतनी गंभीरता से नहीं उठाया जाता है। दिवाली का पर्व जब नजदीक आता है, तब अक्सर प्रदूषण को लेकर विशेष रूप से पटाखों पर बहस छिड़ जाती है। कुछ लोग इसे हिंदू धर्म पर आघात के रूप में देखते हैं, क्योंकि अन्य धर्मों के पर्वों या अन्य उत्सवों पर इस प्रकार की बहस नहीं होती है। उदाहरण के लिए, भारत-पाकिस्तान के क्रिकेट मैचों में भी आतिशबाजी की जाती है और जब अन्य समुदाय अपने त्योहार मनाते हैं, तब इस प्रकार के मुद्दे उतनी गंभीरता से नहीं उठाए जाते। प्रदूषण की समस्या को नियंत्रित करना हम सभी का दायित्व है और इसके लिए हर समुदाय और हर व्यक्ति को सहयोग करना चाहिए। परंतु किसी विशेष धार्मिक पर्व पर प्रदूषण के नाम पर केवल उसी समुदाय को निशाना बनाना उचित नहीं है। सभी समुदायों को समान रूप से पर्यावरण की रक्षा के प्रति जागरूक होना चाहिए और एक-दूसरे के पर्वों का सम्मान करना चाहिए। औद्योगिकरण और शहरीकरण के कारण प्रदूषण में लगातार वृद्धि हो रही है। गाडियों से निकलने वाला धुआं, कारखानों से निकलने वाले विषैले पदार्थ, पेड़ों की कटाई और आधुनिक जीवनशैली ने पर्यावरण को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है, लेकिन इसके लिए केवल दिवाली के समय ही जागरूकता की बात करना उचित नहीं है। यदि समाज को वास्तव में प्रदूषण की समस्या से बचाना है तो हर दिन, हर गतिविधि में यह ध्यान देना होगा कि हम कैसे पर्यावरण की सुरक्षा कर सकते हैं। विकास और पर्यावरण की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए संपूर्ण समाज को मिलकर प्रयास करना चाहिए। वर्तमान समय में जब पर्यावरण की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ रही है, तो हमें भी इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देखना चाहिए और कुछ ऐसे उपाय करने चाहिएं जिससे प्रदूषण कम हो सके। दीपावली पर हम ईको-फ्रेंडली पटाखों का उपयोग कर सकते हैं, जो कम प्रदूषण करते हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक दीयों और मोमबत्तियों के स्थान पर तेल के दीयों का अधिक उपयोग किया जा सकता है, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं होते। इससे दिवाली के पारंपरिक स्वरूप को भी कायम रखा जा सकता है और पर्यावरण को भी सुरक्षित रखा जा सकता है। दिवाली का पर्व हमें एकता और भाईचारे का संदेश देता है। यह पर्व न केवल परिवार और दोस्तों के साथ खुशियां बांटने का है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करने का भी है। हम इस पर्व पर जरूरतमंदों की सहायता कर सकते हैं और समाज में एकता और प्रेम का संदेश फैला सकते हैं। इसके अलावा दिवाली के अवसर पर पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को माफ कर देना भी इस पर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें सिखाता है कि सच्ची खुशी अपने प्रियजनों के साथ समय बिताने में और एक-दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहने में है। दिवाली का पर्व अब केवल भारत तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसे विदेशों में भी बड़ी श्रद्धा और आदर के साथ मनाया जाता है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और कई अन्य देशों में भारतीय समुदाय इस पर्व को धूमधाम से मनाते हैं और वहां के समाज में भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करते हैं। इसके माध्यम से भारतीय संस्कृति का प्रसार भी होता है और विदेशी समाजों में भारतीय परंपराओं के प्रति सम्मान बढ़ता है। इस प्रकार दिवाली न केवल भारत की संस्कृति का हिस्सा है, बल्कि यह एक ऐसा पर्व बन गया है जो विश्वभर में भारतीय संस्कृति की महत्ता को दर्शाता है। दिवाली केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों का प्रतीक है। यह पर्व अच्छाई की जीत, एकता, प्रेम और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है। हमें इस पर्व के महत्व को समझना चाहिए और इसे मनाने के दौरान पर्यावरण की भी रक्षा करनी चाहिए। साथ ही समाज में इस पर्व के प्रति किसी प्रकार की नकारात्मकता को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। दिवाली का पर्व हमें सिखाता है कि प्रेम, भाईचारा और सकारात्मकता के साथ हर कठिनाई को पार किया जा सकता है। पर्यावरण की रक्षा हर व्यक्ति और समुदाय का दायित्व है, लेकिन यह पर्व हमें यह सिखाता है कि इस जिम्मेदारी का निर्वहन हम सभी को मिल-जुलकर करना चाहिए, न कि किसी विशेष समुदाय को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना चाहिए। दिवाली के इस पवित्र अवसर पर हमें समाज में सकारात्मकता और एकता को बढ़ावा देने का प्रयास करना चाहिए ताकि यह पर्व सभी के लिए आनंद और खुशी का प्रतीक बन सके। सीमा के भीतर रहकर पटाखे जलाए जाने चाहिएं।

आप का नजरीया

चुनावी गारंटियां बेनकाब

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि वह चोरी की इजाजत दे सकते हैं, लेकिन मुफ्तखोरी की नहीं।' मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी भी कई बार चेता चुके हैं कि मुफ्त की रेवडियां देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत घातक हैं। इन कथनों के बावजूद आज देश में मुफ्तखोरी और गारंटियों की ही राजनीति चल रही है। चुनावों में गारंटियों की खैरात घोषित की जाती है, लेकिन सरकार बनने के बाद बहाने बनाए जाते हैं, कन्नी काट ली जाती है, समीक्षाओं की आड़ ली जाती है, लिहाजा बहुधा गारंटियां लागू नहीं हो पातीं। मुफ्तखोरी या रेवडियों का ही नतीजा है कि देश पर करीब 176 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कर्ज पूंजीगत व्यय और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी लेना पड़ा होगा! जितना हम पर कर्ज है, उतनी कई देशों की अर्थव्यवस्था भी नहीं होती। देश के सभी राज्य कर्ज में डूबे हैं। यदि कोई 'सरप्लस' में होने का दावा करता है, तो झूठ बोल रहा है। देश की जनता को बेवकूफ बना रहा है। दो मुख्य उदाहरणों के जरिए मुद्दे को समझने की कोशिश करते हैं। भारत सरकार की ओर से 81 करोड़ से अधिक लोगों में 5 किलो मुफ्त अनाज प्रति माह बांटा जा रहा है। यह योजना 2028 के अंत तक चलेगी। कोरोना महामारी के कारण यह योजना शुरू करनी पड़ी थी, लेकिन अब तो कोरोना के प्रभाव समाप्त हो चुके हैं। बाजार खुले हैं। आर्थिक गतिविधियां खूब चल रही हैं। फिर भी इतनी आबादी को सरकार ने मोहताज बनाकर क्यों रखा हुआ है? मुफ्त अनाज पर पांच साल में 11.80 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। दूसरी प्रमुख योजना है-पीएम किसान सम्मान निधि। इसके तहत किसानों को, हर चार माह में, 2000 रुपए दिए जाते हैं। सालाना 6000 रुपए उनके बैंक खातों में डाल दिए जाते हैं। करीब 8-9 करोड़ किसानों में यह राशि बांटी जाती है। इस पर कुल 60,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाने की बात कही जाती है। बहरहाल केंद्र सरकार की ऐसी 100 से अधिक योजनाएं हैं, जिनमें राशि बैंक खातों में जाती है अथवा सबसिडी के तौर पर दी जाती है। ये योजनाएं रेवडियां हैं या मुफ्तखोरी है अथवा जन-कल्याण की श्रेणी में आती हैं, सरकार को इन्हें अलग-अलग परिभाषित करना चाहिए। एक संदर्भ में लाभार्थी और दूसरे में रेवड़ी कैसे हो सकता है? बिजली, पानी, बस यात्रा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कर्जमाफी आदि सभी कुछ मुफ्त कैसे मुहैया कराया जा सकता है? आखिर पैसा तो देश के औसत करदाता का है। ताजा संदर्भ के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े के नैतिक साहस की सराहना करनी चाहिए, जिन्होंने अपनी ही पार्टी की कर्नाटक सरकार को, गारंटियों के मद्देनजर, खरी-खोटी सुनाई और आईना दिखा दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वायदा वह करें, जो बजट के अनुरूप हो और पूरा किया जा सके। यदि गारंटियां 'खटाखट, फटाफट' घोषित की जाती हैं, तो राज्य दिवालिया हो सकता है। सरकार नाकाम हो सकती है। वायदे पूरे नहीं किए गए, तो लोग 10 साल तक कांग्रेस की सरकार नहीं चुनेंगे। मल्लिकार्जुन खडग़े ने परोक्ष रूप से राहुल-प्रियंका गांधी की गारंटियों को खारिज किया है, जो लोकसभा चुनाव के बाद 'खटाखट खटाखट' मिलनी थी। यदि एक परिवार को एक लाख रुपए सालाना 'मुफ्त' में ही मिलना है, तो देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग, हर समुदाय के कल्याण और उत्थान के लिए किया कार्य : मदन राठौड़

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंगलवार को दौसा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी जगमोहन मीणा के समर्थन में जनसभा की तो वहीं दूसरी ओर कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर चुनावी चर्चाएं भी की। राठौड़ ने सर्वसमाज की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आज एक ओर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, जिसने समाज के हर वर्ग, हर समुदाय के लिए कार्य किया। दूसरी ओर ऐसी पार्टी है जिसने केवल वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा दिया। भाजपा ने अल्पसंख्यक वर्ग की चिंता की और उनको रहने के लिए आवास दिया, मुस्लिम बहनों के लिए तीन तलाक समाप्त करवाया। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर गरीब, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई है, फिर चाहे वो किसी भी वर्ग या समुदाय का ही क्यों ना हो। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने आज तक मुस्लिम भाई-बहनों का भला

नहीं किया जबकि भाजपा उनकी चिंता कर रही है। समाज के अल्पसंख्यक वर्ग को कांग्रेस की दुकान को बंद करने की जरूरत है। कांग्रेस डरा-डरा कर अल्पसंख्यकों के वोट ले रही है, लेकिन अब जागरूक होने की आवश्यकता है। आज जरूरत है उस पार्टी के साथ जुड़ ने की जो हर वर्ग के साथ हर समुदाय के विकास और उत्थान के लिए कार्य करें। प्रतिस्पर्धा के इस युग में उस पार्टी का चयन करना चाहिए जो आमजन की सेवा के लिए कार्य करें। भाजपा में सेवा और हर वर्ग के लिए विकास पर कार्य किया जाता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि उपचुनावों में हमसभी को एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान करना है और मतदान कराना है। केंद्र में भाजपा सरकार और राज्य में भी बहुमत के साथ भाजपा सरकार चल रही है, लेकिन क्षेत्र के विकास के लिए हम सभी को भाजपा के प्रत्याशी को जीताकर विधानसभा भेजना है जो आम जनता की आवाज बन सके और क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित कर सकें। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार जन हितैषी योजनाओं को लागू कर रहे है। इन योजनाओं का क्षेत्र के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में लाभ मिल सकें, इसके लिए हमें एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान करना होगा। सर्व समाज स्वागत कार्यक्रम में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, कन्हैया लाल मीणा, महेंद्र तिवारी, जिला महामंत्री आलोक जैन सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

कड़ी से कड़ी जुड़ने पर होंगे विकास के काम : दीया कुमारी

झुंझुनू (हिंस)। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर झुंझुनू पहुंची। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी राजेन्द्र भांबू के समर्थन में जनसंपर्क किया और कार्यकर्ताओं की बैठक भी ली। इस दौरान बगड़ में आयोजित जनसम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि झुंझुनू विधानसभा में जनता को झूठ के अलावा कुछ नहीं मिला। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में विकास के नए आयाम स्थापित करने के लिए तेजी से प्रयास किये जा रहे है। राइजिंग राजस्थान के माध्यम से राज्य में 15 हजार करोड़ के निवेश होगा। जिससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि झुंझुनू के लिए 250 करोड़ रुपए के कामों की स्वीकृति हो चुकी है। इनमें से कुछ शुरू भी हो गए है। बाकी काम आचार संहिता के बाद शुरू होंगे। उन्होंने कहा कि जब झुंझुनू में हमारा विधायक नहीं था उस समय भी हमारी सरकार ने पक्षपात नहीं किया था। लेकिन कांग्रेस हमेशा से पक्षपात करती रही। हमारे प्रत्याशी विधायक बनेंगे तो कड़ी से कड़ी जुड़ेगी तो और बड़े-बड़े काम होंगे। उन्होंने कहा शेखावाटी के पर्यटन के क्षेत्र में विशेष पहचान है और भाजपा की जीत यहां विकास के नए आयाम स्थापित करेगी। इस दौरान उन्होंने मीडिया कर्मियों से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से प्रदेश में सातों सीट पर कमल खिलेगा। झुंझुनू में हमारे प्रत्याशी राजेन्द्र भांबू बड़े अंतर से जीत दर्ज करेंगे। यहां की जनता में जबरदस्त उत्साह है कि उन्हें दोबारा मौका मिला और वो निश्चित ही हमारे प्रत्याशी को जीत दिलाएंगे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत, सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, जिलाध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल, कोलायत विधायक अंशुमान भाटी, पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुढ़ा सहित अन्य साथ रहे।

कार-ट्रक की भिड़ंत में तीन की मौत, चार गंभीर घायल

जयपुर (हिंस)। बोरानाड़ा थाना इलाके के भांडू गांव के पास कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं चार घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया है। बोरानाड़ा थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि भांडू गांव के पास दोपहर करीब तीन बजे यह हादसा हुआ है। अल्टो कार बाड़मेर की तरफ से आ रही थी। वहीं ट्रक जोधपुर की तरफ से जा रहा था। इस दौरान दोनों में आमने-सामने की भिड़ंत हुई है। हादसे में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं चार लोग गंभीर घायल है। जिन्हें एम्स हॉस्पिटल पहुंचाया गया है। कार में नागौर के रहने वाले सात लोग सवार थे। परिवार सुबह बालोतरा के जसोल में माताजी के दर्शन करने निकला था। वहां से नागौर लौटते समय जोधपुर में हादसा हो गया। कार सवार मेढ़ता (नागौर) निवासी रमेश (28), उसकी पत्नी पार्वती (26) और मां इंदिरा (48) पत्नी कैलाश की मौत हो गई। रमेश के पिता कैलाश (50), बेटा गर्वित (4), बेटी खुशी (5) और रियाबड़ी निवासी सुमित (21) घायल हो गए। कैलाश और रमेश सैन का मेढ़ता के गांधी चौक में जगदंबा हेयर स्टाइल नामक सैलून है।

हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष को मिली जान से मारने की धमकी

अजमेर (हिंस)। अजमेर दरगाह को हिंदू मंदिर बताने का दावा करने वाले हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी मिली है। कॉलर ने सोमवार रात गुप्ता को कोर्ट में दायर वाद को वापस लेने की धमकी देते हुए कहा कि केस वापस ले लो नहीं तो जान से मार देंगे। इसके बाद विष्णु गुप्ता देर रात क्रिश्चियन गंज थाने पहुंचे और शिकायत दी। धमकी भरे कॉल के मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस को शिकायत देकर बताया कि वे तीन नवंबर को अजमेर आए थे। पांच नवंबर को अजमेर कोर्ट में दरगाह में मंदिर होने के दावे को लेकर पेशी है। उन्होंने अजमेर कोर्ट में एक सिविल वार्ड पेश किया गया है। इसमें उन्होंने अजमेर दरगाह में श्री संकट मोचन महादेव मंदिर होने की याचिका लगाई है। इस याचिका को लगाने के बाद से लगातार उन्हें परेशान किया जा रहा है। सोमवार को वॉट्सऐप पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉलर ने उसे कोर्ट में दायर वाद को वापस लेने के लिए धमकाया गया है। इसके साथ ही ऑडियो भेजकर गाली गलौज भी की गई है। क्रिश्चियन गंज थाना प्रभारी अरविंद चारण ने बताया कि दिल्ली निवासी विष्णु गुप्ता ने थाने पर शिकायत दी है। इसमें उन्होंने एक अज्ञात व्यक्ति के द्वारा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। विष्णु गुप्ता ने बताया की कॉलर ने फोन कर कहा कि तुम अजमेर आ गए हो वापस नहीं नहीं जा पाओगे। अजमेर दरगाह का केस वापस ले लो नहीं तो मारे जाओगे। गुप्ता ने बताया कि करीब 40 से 50 सेंकेड पर वॉट्सऐप पर कॉलर से बात की थी। इसके

बाद उन्होंने कॉल काट दिया। लेकिन, कॉलर की ओर से उसे वॉट्सऐप पर ऑडियो भेज कर गाली गलौज की गई। इसके बाद उन्होंने अपने वकील से कांट्रैक्ट किया और रात में थाने पहुंचे। धमकी देने वाले वही लोग है जो नहीं चाहते की अजमेर दरगाह की सच्चाई दुनिया के सामने नहीं आए। लेकिन, मैं डरूंगा नहीं और आखिरी सांस तक लड़ता रहूंगा। अजमेर की ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के दरगाह परिसर को भगवान संकट मोचन महादेव विराजमान मंदिर बताने की मांग को लेकर हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने 23 सितंबर को अजमेर कोर्ट में वाद दायर किया था। गुप्ता ने दिल्ली के वकील शशि रंजन सिंह के जरिए अजमेर की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका को सुनवाई के लिए लगाया था। जिसे अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या तीन की अदालत में ट्रांसफर किया गया था।

राहुल गांधी से मिलने से रोका तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया जमकर हंगामा

रायबरेली (हिंस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में कई सड़क परियोजनाओं का शुभारंभ किया और एक महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लिया। उनके आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ रही लेकिन प्रशासन की रोक के कारण राहुल से मिलने की इजाजत किसी को नहीं मिली। इसको लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। राहुल गांधी सुबह 10.45 बजे रायबरेली पहुंचे। जहां फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज चौराहा पर बने शहीद चौक का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने 70.900 किमी की नौ सड़कों का लोकार्पण किया। ये सड़कें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनाई गई हैं। एफडीआर तकनीक का उपयोग सड़क निर्माण में हुआ है। 5367.88 लाख की लागत से सड़कों का निर्माण कराया गया है। राहुल गांधी सड़कों का लोकार्पण करने के बाद बचत भवन में आयोजित जिला अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में पहुंचे। इस दौरान राहुल से मिलने से पुलिस द्वारा रोकने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फिरोज गांधी चौराहे पर हंगामा किया गया। सांसद की सुरक्षा को देखते हुए कलेक्ट्रेट को छावनी में तब्दील कर दिया गया। किसी को भी कलेक्ट्रेट परिसर में घुसने की इजाजत नहीं दी गई।

मंदिर हमले पर कनाडा से बात करे भारत सरकार : भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। कनाडा में एक मंदिर पर हुए खालिस्तानी हमले के बाद पंजाब की राजनीति गरमा गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को कहा कि इस प्रकार की हिंसक घटनाएं रोकने के लिए भारत को कनाडा सरकार से बातचीत करनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा से न हों। बठिंडा में पत्रकार वार्ता में सीएम मान ने कहा कि पंजाबी कनाडा को दूसरा घर मानते हैं। पंजाब के अधिकतर लोग कनाडा में बसे हुए हैं। इसीलिए संबंध ठीक रहने चाहिए और दोनों सरकारों में बातचीत भी होनी चाहिए। कोई नहीं चाहता कि इस तरह की हिंसक घटना हो। भारत सरकार को कनाडा सरकार से बात करनी चाहिए, ताकि आने वाले समय में ऐसी घटनाएं ना हों। हम सरबत का भला मांगने वाले लोग हैं। पूरी दुनिया में बसे हैं, पंजाबी शांतिमय हैं। सीएम मान ने कहा कि अगर कुछ लोग ऐसी हिंसक हरकतें करते हैं तो ये निंदनीय है। इससे ये साबित नहीं होता कि सभी पंजाबी ऐसे होंगे। दोनों समुदाय हमारे ही हैं। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के पास ठोस सबूत नहीं हैं।

मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

बीकानेर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर चल रहे *शुद्ध आहार मिलावट पर वार* अभियान के तहत अक्तुबर माह में दीपावली के मद्देनजर मिलावट के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा प्रदेश भर में मिलावटखोरों के खिलाफ निरंतर सख्त कार्रवाई की गई। इस श्रृंखला बीकानेर में अक्तुबर माह में भी खाद्य सुरक्षा से जुड़ी टीमों ने विभिन्न दुकानों, प्रतिष्ठानों तथा फैक्ट्रियों में खाद्य सामग्री के नमूने लिए। तीज-त्योंहारों के मद्देनजर मिशन मोड पर विभिन्न प्रतिष्ठानों के औचक निरीक्षण कर सैंपल लिए गए और अशुद्ध पाए गए खाद्य पदार्थों को नष्ट व सीज किया गया। अक्तुबर माह में की गई कार्रवाई में एक्ट के तहत खाद्यान्न पदार्थों के 62 नमूने एवं सर्विलेंस के तहत 187 नमूने लिए गए। इस दौरान 12 नमूने अशुद्ध पाए गए। कार्यवाइयों के दौरान मिठाई, नमकीन और तेल आदि 313 किलो खाद्य सामग्री नष्ट की गई तथा 14 हजार 49 किलो घी और चीनी आदि खाद्य पदार्थ सीज किए गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में मिलावट खोरी करने वालों के खिलाफ निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। खाद्य सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए उन्हें नियमित कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि के निर्देशन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग एवं उनकी टीमें सतर्कता एवं निगरानी के साथ कार्य कर रही हैं।

खाद की कमी से किसानों में हाहाकार

लंबी लाइनों में इंतजार के बावजूद खाली हाथ लौटे किसान

हमीरपुर (हिंस)। रबी की फसल के लिए जरूरी खाद की कमी से परेशान किसान मंगलवार को सुमेरपुर पीसीएफ केंद्र और सहकारी समितियों में खाद के लिए लंबी-लंबी लाइनों में भूखे-प्यासे खड़े रहे लेकिन अधिकांश को निराशा ही हाथ लगी। विभिन्न गांवों से आए किसान सुबह से कतार में खड़े थे। सीमित मात्रा में ही खाद का वितरण किया गया, जिससे ज्यादातर किसान खाली हाथ लौट गए। किसानों का आरोप है कि कुछ प्रभावशाली लोगों को प्राथमिकता देते हुए उनकी पर्चियां पहले से काट कर रखी गईं, जबकि साधारण किसानों और महिला किसानों की अनदेखी की गई। कुछ असरदार लोगों को बिना आधार कार्ड और खतौनी के बीस-बीस बोरी खाद दे दिया गया लेकिन कमजोर किसानों को एक बोरी खाद भी पीसीएफ गोदाम प्रभारी ने नही दिया। बिरखेरा के हेमराज और श्रीकांत, पाटनपुर के

भीम प्रकाश, सुमेरपुर के राम सेवक, शांति भौनियां, गीता मौहर, संगीता पत्योरा, रामा भौनिया और शांतिपंधरी ने पीसीएफ प्रभारी पर मनमाने ढंग से खाद वितरण का आरोप लगाया। उनका कहना था कि महिला किसानों को बार-बार धूप में लाइन में खड़ा किया गया लेकिन अंतत: उन्हें खाद नहीं दी गई और बाहर खदेड़ दिया गया। किसानों की मानें तो दो-दो बोरी खाद के लिए लोग घंटों भूखे-प्यासे लाइन में खड़े रहे लेकिन पक्षपात के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। इस दौरान पीसीएफ केंद्र पर अफरातफरी का माहौल बना रहा। जिन किसानों को खाद नहीं मिली, वे निराश होकर बैरंग अपने गांव लौट गए और शासन प्रशासन के झूठे वादों पर खरी खोटी सुनाते नजर आए।

पंजाब : हिंदू नेताओं पर पेट्रोल बम फेंकने के आरोप में चार गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने शिव सेना समेत कई हिंदू संगठनों के नेताओं के घरों पर पेट्रोल बम से हमला करने के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार सुबह सोशल मीडिया साइट एक्स पर यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक के अनुसार लुधियाना पुलिस तथा काउंटर इंटेलिजेंस द्वारा की गई कार्रवाई के तहत पेट्रोल बम से हमला करने के पीछे बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी हरजीत सिंह उर्फ लाडी व साबी के गुर्गों का हाथ है। लाडी विदेश में बैठ कर यहां घटनाओं को अंजाम दिलवा रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी से शिव सेना नेताओं पर अक्तुबर में हुए हमलों तथा पिछले सप्ताह लुधियाना में हरकीरत सिंह खुराना के आवास पर हुए हमले की गुत्थी सुलझ गई है।

समृद्ध विरासत और परंपराओं का प्रदेश है राजस्थान : देवनानी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी चार देशों की यात्रा के दौरान मंगलवार को सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) पहुंचे। देवनानी का सिडनी पहुंचने पर अधिकारियों ने स्वागत किया। देवनानी ने सिडनी में आयोजित भारत रीजन के 67वें राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के सम्मेलन की डेलीगेट ब्रीफिंग में भाग लिया। देवनानी ने सम्मेलन में मौजूद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक, तमिलनाडु सहित भारत के विभिन्न प्रदेशों के विधान सभा अध्यक्षों और सांसदों से मुलाकात की। इस मौके पर देवनानी ने कहा कि राजस्थान प्रदेश की अपनी समृद्ध विरासत, परंपराओं और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विशिष्ट पहचान है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर व जैसलमेर के भव्य दुर्ग देशी तथा विदेशी सैलानियों के लिए पंसदीदा स्थान है।

राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के लिए प्रति दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते है। देवनानी इस अध्ययन यात्रा के दौरान विभिन्न देशों के विधायी निकायों का अवलोकन करने के साथ संसदीय प्रतिनिधिगण से लोकतांत्रिक मूल्यों के सुदृढ़ीकरण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्ष एक मंच पर एकत्रित होकर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न विषयों पर संवाद करते है। इस बार का राष्ट्र मंडल संसदीय संघ का सम्मेलन आस्ट्रेलिया में पांच से आठ नवंबर तक हो रहा है। संसदीय संघ का यह 67वां सम्मेलन है। सम्मेलन में भाग लेने के लिए अध्यक्ष देवनानी के साथ विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा भी गए हैं।

महिला आयोग ने दो साल में 9700 शिकायतों का किया निपटान : रेनु भाटिया

नारनौल (हिंस)। हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनु भाटिया ने कहा कि आयोग महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। वर्ष 2022 में आयोग के गठन के बाद लगभग 11 हजार शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से लगभग 9700 शिकायतों का अब तक निपटारा किया जा चुका है। रेनु भाटिया मंगलवार को यहां लघु सचिवालय में जिले से संबंधित प्राप्त हुई शिकायतों की सुनवाई के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने मंगलवार को जिला महेंद्रगढ़ से संबंधित सात तथा रेवाड़ी जिला से संबंधित चार शिकायतों की सुनवाई की।

किसी भी राज्य की संस्कृति से उस राज्य का स्वाभिमान झलकता है : राज्यपाल

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को राजभवन में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति को प्रदर्शित करती लोक नृत्य और लोक गायन की प्रस्तुतियां दी गईं, साथ ही छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं विकास पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री का भी प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कलाकारों द्वारा छत्तीसगढ़ की संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य की संस्कृति राज्य के स्वाभिमान को प्रतिबंबित करती है। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास, विशेषकर विलासपुर में स्थापित सेल का स्टील प्लांट, भिलाई में रेल पटरियों के निर्माण और कोयला खदानों में काम करने वाले मजदूरों के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रदेश में शिक्षा के माध्यम से लोगों की सोच में बदलाव से नक्सलवाद और आतंकवाद की प्रवृत्तियों में कमी आने की बात कही। जनजातीय संस्कृति की विशेषताओं को बताते हुए उन्होंने कहा कि जनजातीय लोग कार्यशील

होने के साथ आनंदित रहते हैं और उनकी नृत्य परंपरा उनकी एक महत्वपूर्ण पहचान है। राज्यपाल ने जनजातीय संस्कृति को बचाए रखने की अपील की, ताकि यह संस्कृति एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंच सके। इस समारोह में छत्तीसगढ़ के विभिन्न लोक नृत्य, जैसे रेला नृत्य, सुआ नृत्य, मारिया नृत्य, राऊत नृत्य, और राजा भर्तृहरी एवं रानी पिंगला की कथाओं पर आधारित लोक गायन पर उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज एवं संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के कलाकारों द्वारा जोशीली प्रस्तुति की गई। समारोह से पहले, राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, वाद्य यंत्र, हस्तकला, तीर्थ स्थल, लोक कला, नृत्य, भाषा, धातु कला, महत्वपूर्ण स्थलों, टेराकोटा एवं महान विभूतियों पर आधारित प्रदर्शनी और रंगोली का अवलोकन किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष सचिव राज्यपाल श्री श्रीप्रकाश गुप्ता, विशेष सचिव कारागार वैभव श्रीवास्तव, अपर पुलिस महानिदेशक नवीन अरोड़ा, विशेष कार्याधिकारी अशोक देसाई और छत्तीसगढ़ से आए गणमान्य अतिथि, विश्वविद्यालय से आए छात्र-छात्राएं एवं राजभवन के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

नहाय खाय के साथ लोक आस्था का महापर्व छठ शुरू

भागलपुर (हिंस)। जिले भर में मंगलवार से नहाय-खाय के साथ लोक आस्था का महापर्व छठ से आरंभ हो गया। इसे लेकर एक दिन पूर्व से ही श्रद्धालु के परिवार में उत्सवी वातावरण नजर आने लगा है। नहाय-खाय के अगले दिन बुधवार को पूरे दिन निर्जला उपवास रख व्रती संध्या काल खरना करेंगे। इसके अगले दिन सात नवंबर गुरुवार को महापर्व छठ का पहला अर्घ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्पित किया जाएगा। शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ अर्पण के संग सूर्योपासना का यह महापर्व संपन्न होगा। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास व्रती खंडित करेंगे। इसकी तैयारी लोगों ने लगभग पूरी कर ली है। आज सुबह व्रती ने गंगा स्नान किया।

नया परिधान धारण कर व्रतियों ने नहाय-खाय किया। महिलाओं ने नाक से सिंदूर कर पूजन किया। नहाय-खाय को लेकर व्रती के संग घर की अन्य महिलाओं ने मिट्टी के नये चूल्हे पर अरवा भोजन पकाया। इसमें अरवा चावल का भात, मूंग की दाल, कद्दू की सब्जी, अन्य सब्जी, तरूआ आदि पकाया गया। इस भोजन में हल्दी का प्रयोग निषिद्ध होता है। वहीं सामान्य नमक की जगह सेंधा नमक का उपयोग करने का विधान है। मिट्टी के चूल्हे पर ही खुद धो-कूटकर तैयार गेहूं के आटा की रोटी और सब्जी बनाई गई। जिसे व्रती ने ग्रहण किया। इस अवसर पर कद्दू की सब्जी ग्रहण करने की परंपरा है।

भारत आटा और भारत चावल की खुदरा बिक्री का दूसरा चरण लॉन्च किया गया

नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को यहां भारत आटा और भारत चावल की खुदरा बिक्री के दूसरे चरण की शुरुआत की है। जोशी ने राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और केंद्रीय भंडार की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर केंद्रीय उपभोक्ता राज्य मंत्री बीएल वर्मा उपस्थिति थे।

अब उपभोक्ताओं को 30 रुपये भारत आटा और 34 रुपये प्रति किलो मिलेगा चावल

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दूसरे चरण के दौरान उपभोक्ताओं को रियायती कीमत पर 30 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर भारत आटा और 34 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर भारत चावल उपलब्ध कराया जाएगा। जोशी ने बताया कि दूसरे फेज के शुरुआती चरण में खुदरा बिक्री के लिए 3.69 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 2.91 लाख मीट्रिक टन चावल उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल उपभोक्ताओं को रियायती कीमतों पर आवश्यक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की दिशा में भारत सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि है। कार्यक्रम के दौरान मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए जोशी ने कहा कि यह पहल उपभोक्ताओं को रियायती कीमतों पर आवश्यक खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि है।

उन्होंने कहा कि चावल, आटा और दाल जैसे बुनियादी खाद्य पदार्थों की भारत ब्रांड के तहत खुदरा बिक्री के माध्यम से प्रत्यक्ष हस्तक्षेप ने स्थिर मूल्य व्यवस्था बनाए रखने में मदद की है। जोशी ने कहा कि भारत आटा और भारत चावल की खुदरा बिक्री के पहले चरण के दौरान करीब 15.20 लाख मीट्रिक टन भारत आटा और 14.58 लाख मीट्रिक टन भारत चावल सामान्य उपभोक्ताओं को सब्सिडी दरों पर उपलब्ध कराया गया।

न्यूज ब्रीफ

प्रमुख शेयर ब्रोकिंग ने कंपनी के नाम पर हो रही धोखाधड़ी से निवेशकों को किया आगाह ,जेरोधा किसी भी प्रकार की निवेश की सलाह या फीस वसूल नहीं करता

नई दिल्ली। देश की प्रमुख शेयर ब्रोकिंग कंपनी जेरोधा ने अपने निवेशकों और ग्राहकों को फर्जीवाड़े को लेकर कहा है कि जेरोधा नाम और लोगो का दुरुपयोग करके फर्जी वेबसाइट्स, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स, और ट्रेडिंग ऐप्स द्वारा लोगों को निवेश की सलाह दी जा रही है और इसके बदले में उनसे पैसे वसूला जा रहा है। जेरोधा ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी प्रकार की निवेश सलाहकार सेवाएं प्रदान नहीं करता है और ऐसे किसी भी प्लेटफॉर्म से सतर्क रहने की जरुरत है। कंपनी के मुताबिक इन फर्जी प्लेटफॉर्म्स को चलाने वाले लोग खुद को जेरोधा का अधिकारी या कर्मचारी बताकर निवेशकों को स्टॉक टिप्स देते हैं और इसके बदले में एडवाइजरी फीस लेते हैं। जेरोधा ने साफ किया है कि वह न तो ग्राहकों को निवेश की सलाह देने के लिए कॉल करता है, न ही उनसे फीस वसूलता है और न ही फंड्स एकत्र करता है। इसके अलावा, जेरोधा किसी तरह की पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सेवा प्रदान नहीं करता। कंपनी ने निवेशकों से आग्रह किया है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत जेरोधा को रिपोर्ट करें। कंपनी ने यह भी बताया कि इस प्रकार की धोखाधड़ी से होने वाले नुकसान के लिए ब्रोकिंग फर्म जिम्मेदार नहीं होगा।

खाना मंगवाने वाले सावधान! जोमेटो वेयरहाउस में जांच में मिली कई खामियां

हैदराबाद। हैदराबाद के कुकटपल्ली क्षेत्र में स्थित जोमेटो के हॉयपरपुरे वेयरहाउस पर फूड सेफ्टी अधिकारियों ने हाल में की जांच में कई खामियां पाई हैं। जांच में एक अहम मुद्दा यह था कि 18 किलो बटन मशरूम पैकेजिंग पर भविष्य की तारीख 30 अक्टूबर 2024 अंकित थी, जबकि यह निरीक्षण 29 अक्टूबर को किया गया था। इस प्रकार का लेबलिंग फूड सेफ्टी के मानकों का उल्लंघन है और ग्राहक सुरक्षा के प्रति गंभीर चिंताएं खड़ी करता है। जांच में कई समस्याएं भी सामने आईं जिसमें वेयरहाउस में मक्खियों की उपस्थिति और कीट-रोधी स्क्रीनिंग की अनुपस्थिति, इसके अलावा कई खाद्य हैंडलर्स ने जरुरी सुरक्षा उपकरण जैसे हेयर कैप और एप्रन नहीं पहने थे। यह त्योहारों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जब फूड सेफ्टी से समझौता करने से स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यह जांच ऐसे समय हुई है जब हैदराबाद में फूड सेफ्टी चेक सख्ती से किए जा रहे हैं, खासकर त्यौहारों के मौके पर। हाल ही में मोमो, मिठाई की दुकानों और शावरमा आउटलेट्स में भी गड़बड़ियां पाई गई और उन्हें चेतावनी दी गई। इससे पहले जून 2024 में मलकाजगिरी जिले में स्थित बिल्नकिट के एक वेयरहाउस पर भी अधिकारियों ने छापा मारा, जहां खराब साफ-सफाई, एक्सपायर्ड उत्पाद और घटिया गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्री मिली थी। जोमेटो ने इस पर कहा कि वे खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि हॉयपरपुरे वेयरहाउस ने हाल की जांच में ए+ रेटिंग मिली है। कंपनी ने यह भी साफ किया कि बटन मशरूम के 90 पैकेट्स पर पैकेजिंग तारीख की त्रुटि थी, जिसे उनकी टीम ने पहचान लिया और उसे अस्वीकृत कर दिया था। इस त्रुटि के लिए जिम्मेदार विक्रेता को उनके डेटाबेस से हटा दिया गया है। हॉयपरपुरे में इनवर्ड क्वालिटी कंट्रोल के सख्त निर्देश हैं, जिनसे इस समस्या की समय पर पहचान हो सकी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें हो सकती हैं कम

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता के चलते क्रूड ऑयल की कीमतों में भी भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। ओपेक प्लस देशों ने फिलहाल कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी का फैसला टाल दिया है। इससे कच्चे तेल के दाम में मजबूती देखी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव 75.21 डॉलर प्रति बैरल है। ब्रेंट क्रूड की कीमत में 2.71त्न की बढ़ोतरी हुई है और यह 75.08 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है, जबकि डब्ल्यूटीए की कीमत मामूली गिरावट के साथ 71.42 डॉलर प्रति बैरल पर है। कच्चे तेल के 70 डॉलर के करीब पहुंचने पर उम्मीद की जा रही है, ऐसे में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में करीब 5 रुपये की कटौती हो सकती है पर कीमतों में स्थिरता न होने से अभी पेट्रोलियम कंपनियां दरों में बदलाव नहीं कर रही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये/लीटर व डीजल 87.67 रुपये/लीटर पर है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये/लीटर व डीजल 89.97 रुपये/लीटर पर है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के पहले पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते रहे, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,713.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.37 प्रतिशत फिसल कर 18,172.66 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,826.20 के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,184.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,371.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 107.12 अंक यानी 0.56 प्रतिशत लुढ़क कर 19,147.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,095 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.09 प्रतिशत लुढ़क कर 3,568.69 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.15 प्रतिशत फिसल कर 2,585.10 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत टूट कर 7,467.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 465.59 अंक यानी 1.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,519.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 261.60 अंक यानी 1.27 प्रतिशत उछल कर 20,829.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,369.70 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.75 प्रतिशत मजबूत होकर 1,473.92 अंक के स्तर पर और ताईवान वेटेड इंडेक्स 124.19 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,089.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार घटा, फिर भी अमेरिका, कनाडा, जर्मनी से है आगे

नई दिल्ली

केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में स्थिरता बनाए रखने उठा रहा प्रभावी कदम

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में आंकड़े जारी किए जिसमें 25 अक्टूबर को खतम हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.46 अरब डॉलर से घटकर 684.8 अरब डॉलर रह गया है। इस गिरावट की मुख्य वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली और भू-राजनीतिक तनाव के चलते उत्पन्न आर्थिक अनिश्चितता है। इसके बावजूद भारत अब भी विश्व के शीर्ष पांच देशों में शामिल है, जो विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखे है।

भारत इस सूची में चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद चौथे स्थान पर है और उसने अमेरिका, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों को पीछे धकेल दिया है। यह स्थिति दर्शाती है कि भारत ने वैश्विक मंच पर एक स्थिर आर्थिक ढांचा स्थापित किया है। सितंबर में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 704 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था, जिससे पता चलता है कि भारत की अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ रही है। इस बढ़ोतरी में सोना के भंडार की अहम भूमिका रही, जिसने 1.08 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की और कुल 68.53 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

सोने की बढ़ती मांग के पीछे प्रमुख कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और भू-राजनीतिक तनाव है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोना मुद्रास्फीति और आर्थिक प्रतिबंधों से बचाव का सबसे विश्वसनीय साधन बनकर उभरा है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में विदेशी मुद्रा भंडार में कुल 38.39 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। यह वृद्धि भारत को 11.2 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त मानी जाती है, जो एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था का संकेत है। विदेशी मुद्रा भंडार में यह उछाल भारत की मजबूत विदेशी मुद्रा नीति, आर्थिक स्थिरता और निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।

पहली बार टाटा परिवार के बदले नियम, नोएल टाटा को टाटा संस बोर्ड में किया शामिल

नई दिल्ली

रतन टाटा के निधन के बाद नोएल टाटा (67) को टाटा संस के बोर्ड में शामिल किया गया है। यह नियुक्ति टाटा ट्रस्ट्स के नामित सदस्य के रूप में हुई है। यह नियुक्ति टाटा समूह में नई जिम्मेदारियों की श्रृंखला की शुरुआत है। पिछले महीने रतन टाटा के निधन के उपरांत नोएल को टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। नोएल टाटा जो कई अन्य टाटा कंपनियों के बोर्ड का हिस्सा भी हैं, 2011 के बाद पहले ऐसे टाटा परिवार के सदस्य हैं जो टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस दोनों बोर्ड में सक्रिय हैं। टाटा ट्रस्ट्स जिनके पास टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी है, उसमें यह नियुक्ति दीपावली के पहले वर्चुअल मीटिंग में प्रस्ताव पारित किया था। टाटा संस बोर्ड में कुल नौ निदेशक हैं, जिसमें नोएल टाटा सहित तीन टाटा ट्रस्ट्स के प्रतिनिधि शामिल हैं। नोएल टाटा का पेशेवर अनुभव और उनकी प्रभावी नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उनकी इस भूमिका में नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वे वर्तमान में टाटा

इन्वेस्टमेंट कॉर्प, ट्रेंट और वोल्टास में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और चेयरमैन के पद पर हैं, साथ ही टाइटन और टाटा स्टील में वाइस-चेयरमैन के रूप में कार्यरत हैं। नोएल के नेतृत्व में ट्रेंट की प्रगति उल्लेखनीय रही है। अप्रैल 2014 में उनके चेयरमैन बनने के बाद, कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 2014 के 2,333 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त 2024 में 12,375 करोड़ रुपए तक पहुंचा और कंपनी ने घाटे से उबरकर 1,477 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया। वोल्टास के चेयरमैन के रूप में भी उन्होंने प्रभावी कार्य किया, जिससे कंपनी का राजस्व दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024 में 12,481 करोड़ रुपए हो गया।

भारत में तेल की कीमतें रहेंगी स्थिर, कच्चे तेल की आपूर्ति के विकल्प मौजूद: हरदीप पुरी

नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत में तेल की कीमतें स्थिर रहेंगी, क्योंकि देश में कच्चे तेल की आपूर्ति के विभिन्न विकल्प मौजूद हैं। ब्राजील और गुयाना जैसे देशों से अधिक आपूर्ति बाजार में आ रही है। वर्तमान में तेल की वैश्विक आपूर्ति खपत से अधिक है, जिससे बाजार स्थिर बना हुआ है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, दुनिया के कुछ हिस्सों में भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद दुनिया में कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है। उपभोक्ता देशों के पास चुनने के लिए कई विकल्प हैं। हरदीप पुरी ने संभावित आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आपूर्तिकर्ताओं की विविध श्रेणी तक पहुंच के साथ ऐसी स्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए खुद को रणनीतिक रूप से तैनात किया है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी अंतरराष्ट्रीय पेट्रोलियम

प्रदर्शनी और सम्मेलन (एडीआईपीईसी) 2024 सम्मेलन में भाग लेने के लिए अबू धाबी दौरे पर हैं। वह अबू धाबी में एडीआईपीईसी 2024 के 40वें संस्करण में अन्य वैश्विक नेताओं के साथ शामिल हुए, जो वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन पर एक प्रमुख कार्यक्रम है। इस अवसर पर उन्होंने अबू धाबी में बीपी के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मरे औचिनक्लोस से मुलाकात की। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि सीईओ मरे औचिनक्लोस से मिलकर बहुत खुशी हुई।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार की शुरुआत हुई है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 80,540 रुपये से लेकर 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 73,840 रुपये से लेकर 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बना हुआ है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर स्थिर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सपाट स्तर पर ही कारोबार हो रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना भी 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मलेशिया के खिलाफ मैत्री फुटबॉल मैच के लिए 26 संभावित खिलाड़ियों की भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली

भारतीय सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने मंगलवार को हैदराबाद के जीएमसी बालायोगी गाचीबोवली स्टेडियम में 18 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ खेले जाने वाले आगामी फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के लिए 26 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की।

टीम 11 नवंबर को प्रशिक्षण शिविर के लिए हैदराबाद में एकत्रित होगी। अक्टूबर की शुरुआत में, ब्लू टाइगर्स ने एक दोस्ताना मैच में वियतनाम का सामना किया, जहाँ उन्होंने 1-1 से ड्रॉ के बाद खेल समाप्त किया। वियतनाम के खिलाफ भारत के लिए फारुख चौधरी एकमात्र स्कोरर थे। भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अपने पिछले 11 मैचों में जीत हासिल करने में विफल रही है। भारत की आखिरी जीत 16 नवंबर, 2023 को फीफा विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत के खिलाफ हुई थी, जब उन्होंने अपने विरोधियों को 1-0 से हराया था।

भारत के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने टीम में तीन अनुभवी गोलकीपरों को शामिल किया है। संदेश झिंगन, अनवर अली और राहुल भेके को भी टीम में शामिल किया गया ताकि उनकी बैकलाइन मजबूत हो सके।

भारतीय टीम इस प्रकार है-

गोलकीपर: अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू, विशाल कैथ।

डिफेंडर: आकाश सांगवान, अनवर अली, आशीष राय, चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम, हिंगथनमाविया राल्टे, मेहताब सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम, संदेश झिंगन।

मिडफील्डर: अनिरुद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडिस, जेकसन सिंह थौनाओजम, जितिन एमएस, लालेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलाको, सुरेश सिंह वांगजाम, विबिन मोहनन।

फॉरवर्ड: एडमंड लालरिंदिका, इरफान यदवाड, फारुख चौधरी, लालियानजुआला चांगटे, मनवीर सिंह, विक्रम प्रताप सिंह।

न्यूज ब्रीफ

मैनचेस्टर यूनाइटेड में जाने से पहले एमोरिम ने कहा- गार्डियोला दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कोच

लिस्बन। स्पोर्टिंग लिस्बन के कोच रूबेन एमोरिम, जो अगले सप्ताह मैनचेस्टर यूनाइटेड का कार्यभार

संभालेंगे, ने सोमवार को मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला को विश्व का सर्वश्रेष्ठ कोच बताया। पुर्तगाली खिताब धारक मंगलवार को चैंपियंस लीग में मैनचेस्टर सिटी का सामना करेंगे, जो स्पोर्टिंग के प्रभारी एमोरिम के अंतिम मैच से पहले होगा। एमोरिम ने सोमवार को स्पोर्ट टीवी से कहा, मैनचेस्टर सिटी के पास दुनिया की सबसे अच्छी टीम और दुनिया का सबसे अच्छा कोच है। मैनचेस्टर सिटी ने 2022 में प्रतियोगिता के अंतिम 16 में स्पोर्टिंग को कुल मिलाकर 5-0 से हराया और एमोरिम ने कहा कि तब से एक कोच के रूप में सुधार के बावजूद, उनके और गार्डियोला के बीच अभी भी एक अंतर है। एमोरिम ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अब एक बेहतर कोच हूं, दुर्भाग्य से मुझे लगता है कि पेप गार्डियोला भी एक बेहतर कोच बन गए हैं, इसलिए अंतर बना हुआ है। पेप गार्डियोला हम में से कई कोचों के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणास्रोत थे। सिटी ने लगातार चार सीजन प्रीमियर लीग जीती है, रिकॉर्ड 20 बार के इंग्लिश चैंपियन मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आखिरी बार 2013 में इसे जीता था, जब मैनेजरियल महान एलेक्स फर्ग्यूसन शीर्ष पर थे। गार्डियोला ने 2023 में सिटी के साथ चैंपियंस लीग जीती और यूनाइटेड के प्रतिद्वंद्वियों को छह लीग जीत दिलाई। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने स्पोर्टिंग को 11 मिलियन यूरो (12 मिलियन डॉलर) का भुगतान किया ताकि यूरोपीय फुटबॉल में सबसे रोमांचक और उच्च श्रेणी के युवा कोचों में से एक को सुरक्षित किया जा सके।

भारत-दक्षिण अफ्रीका पहला टी20 मुकाबला 8 नवंबर को, सूर्यकुमार होंगे कप्तान

जोहांसबर्ग। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गयी भारतीय क्रिकेट टीम अपना पहला टी20 मुकाबला 8 नवंबर को खेलेगी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 8 नवंबर से 4 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के कोच वीवीएस लक्ष्मण होंगे। भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज का पहला मैच डरबन में खेला जाएगा इस सीरीज का पहला तीसरा और चौथा टी20 मैच शाम 8.30 बजे (भारतीय समय) से खेला जाएगा। वहीं. दूसरा टी20 मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा इस सीरीज का लाइव प्रसारण स्पोर्ट्स 18 नेटवर्क के चैनलों पर देखा जा सकता है। वहीं मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा पर भी होगी सीरीज का पहला मैच 8 नवंबर को डरबन में खेला जाएगा जबकि अगले तीन मैच 10, 13 और 15 नवंबर को खेले जाएंगे, भारतीय टीम इस प्रकार है: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, हार्दिक पंड्या, रमनदीप सिंह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजय कुमार, आवेश खान और यश दयाल।

श्रीकांत बोले, रोहित ले सकते हैं टेस्ट से संन्यास, विराट अभी खेलते रहेंगे

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर के श्रीकांत ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा अगर ऑस्ट्रेलिया दौरे में

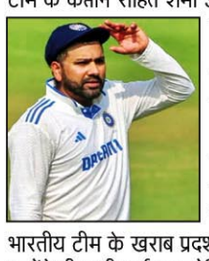

विफल हुए तो वह टेस्ट को अलविदा कह देंगे पर एकदिवसीय खेलते रहेंगे। वहीं विराट कोहली अभी आगे भी टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप में खेलते रहेंगे। श्रीकांत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन पर नाराजगी जताई है। उन्होंने टीम की कई कमजोरियों को बताया। श्रीकांत ने जहां वाशिंगटन सुंदर की प्रशंसा की, वहीं सीनियर खिलाड़ियों पर जमकर हमला बोला। उन्हें विशेष कर रोहित और विराट के खेल की आलोचना की। उन्होंने भारतीय कप्तान के आउट होने के तरीके पर चिंता जताई. श्रीकांत ने कहा कि रोहित ने जिस तरह से स्लिप पर कैच दिया और फिर पुल करते हुए आउट हुए, वह चिंताजनक है। श्रीकांत ने कहा कि टीम को अब बदलाव की जरुरत है। उन्होंने कहा कि भविष्य को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को आगे लाना होगा। साथ ही कहा कि अगर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो रोहित पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का दबाव होगा ।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे फिल साल्ट

लंदन

जोस बटलर की इंगिलश टीम में वापसी के बावजूद फिल साल्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे।

सफेद गेंद के कप्तान बटलर ने अपने पिछले 108 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 106 में विकेटकीपिंग किया है, और केवल दो मैचों में क्षेत्ररक्षण किया है जो दिसंबर 2023 में इंग्लैंड के पिछले कैरेबियाई दौरे के दौरान त्रिनिदाद में हुए थे।

साल्ट ने तीसरे वनडे से पहले बारबाडोस में कहा, मैंने हाल ही में इंग्लैंड के लिए बहुत ज़्यादा कुछ नहीं किया है, लेकिन मुझे विकेटकीपिंग करना अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि मैं टीम को सबसे ज़्यादा योगदान दे सकता हूँ।

साल्ट ने इंग्लैंड के लिए सभी फ़ॉर्मेट में खेले गए 59 मैचों में से 13 में विकेटकीपिंग की है और उन्हें मौजूदा वनडे सीरीज़ में जॉर्डन कॉक्स से आगे विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दी गई है, जो न्यूज़ीलैंड में होने वाली आगामी सीरीज़ में टेस्ट विकेटकीपर जेमी स्मिथ की जगह लेंगे।

बटलर पिछले कई महीनों से पिंडली में खिंचाव के कारण बाहर हैं। अगर वह सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने के लिए फिट होते, तो साल्ट विकेटकीपिंग करते, क्योंकि बटलर मैदान पर अलग-अलग पोजीशन से कप्तानी करने के लिए प्रयोग करने के लिए उत्सुक हैं।

बटलर रविवार को कैरेबियाई पहुंचे और सोमवार को केंसिंग्टन ओवल में ट्रेनिंग की। वह बुधवार को होने वाले निर्णायक वनडे के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं और शनिवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे, जो जून में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड की हार के बाद उनकी पहली उपस्थिति होगी।

एसेक्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज माइकल पेपर, जिन्हें मूल रूप से केवल वनडे टीम के लिए चुना गया था, को टी20 टीम में शामिल किया गया है और वे दौरे के बाकी समय के लिए ग्रुप के साथ रहेंगे।

इस बारे में कि क्या टीम में बनाए रखने का उनका

फैसला दीर्घकालिक है, साल्ट ने कहा, हमने आगे बढ़ने के बारे में कोई बातचीत नहीं की है। मैं इस समय ऐसा करके खुश हूं।

साल्ट ने पहले दो वनडे में 18 और 59 रन बनाए, जिसमें उनके अर्धशतक ने इंग्लैंड को दूसरे एदकिदनी मैच में 329 रन के लक्ष्य का पीछा करने में मदद की।

पहले मैच में इंग्लैंड के 209 रन पर आउट होने के बाद, कप्तान लियाम लिविंगस्टोन ने प्रदर्शन की आलोचना करते हुए कहा था कि टीम को अधिक समझदारी से बल्लेबाजी करने की जरूरत है।

सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ वनडे सीरीज़ साल्ट के लिए पिछले साल दिसंबर में कैरेबियाई दौरे के बाद 50 ओवर के क्रिकेट का पहला अनुभव था। इंग्लैंड की गर्मियों के दौरान वन-डे कप के साथ ही हंड्रेड भी खेला जा रहा है, इसलिए इंग्लैंड की नई व्हाइट-बॉल पीढ़ी के कई खिलाड़ियों को लिस्ट ए का बहुत कम अनुभव है।

साल्ट ने आवश्यक गति के साथ फिर से तालमेल बिठाने की कठिनाई के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस टीम में ऐसे कई खिलाड़ी हैं जिनके बारे में आप यह कह सकें कि %ओह, वे अभी बहुत बढ़िया काम कर रहे हैं%। यह इसकी सच्चाई है क्योंकि हमने 50 ओवरों का बहुत ज़्यादा क्रिकेट नहीं खेला है। मुझे घरेलू 50 ओवरों की प्रतियोगिता जैसी कोई चीज़ पसंद आएगी। मुझे उसमें खेलने का मौक़ा पसंद आएगा ताकि आप लय हासिल कर सकें और यह हमेशा रुक-रुक कर नहीं हो। लेकिन हमारे पास यही है। एक खिलाड़ी के तौर पर आपको खुद को ढालना होगा।

वालेंसिया में बाढ़ के बाद फुटबॉल बंद हो जाना चाहिए : रियल मैड्रिड कोच एंसेलोटी

मैड्रिड

रियल मैड्रिड ने चैंपियंस लीग में एसी मिलान के खिलाफ ताजा मुकाबले में जीत दर्ज की। बाढ़ के कारण वालेंसिया के खिलाफ उनका सप्ताहांत का मैच स्थगित हो गया था। वालेंसिया क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हालांकि कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को स्वीकार किया कि वह मंगलवार के मैच को भी स्थगित देखना चाहते हैं।

अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में, एंसेलोटी, जिन्होंने एसी मिलान को भी कोचिंग दी है, ने वालेंसिया बाढ़ के बारे में बात की और संकेत दिया कि वह मंगलवार के मैच को भी स्थगित करना पसंद करेंगे।

एंसेलोटी ने कहा, फुटबॉल एक उत्सव है, और जब सब कुछ ठीक हो, जब आपका परिवार ठीक हो और सब कुछ ठीक हो, तो आप जश्न मना सकते हैं और पार्टी कर सकते हैं। जब लोग ठीक नहीं हैं, तो आपको जश्न नहीं मनाना चाहिए।

एंसेलोटी ने कहा कि एक कहावत है, शो चलता रहना चाहिए हालांकि ऐसा नहीं है और फुटबॉल बंद हो जाना चाहिए।

रियल मैड्रिड को पिछले सप्ताह खेले गए कोपा डेल रे नॉकआउट प्रतियोगिता के पहले दौर से भी छूट दी गई है, इसका मतलब है कि यह कार्लो एंसेलोटी की टीम का 26 अक्टूबर को क्लासिको में एफसी बार्सिलोना से घरेलू मैदान पर 4-0 की हार के बाद पहला गेम होगा।

यह क्लब द्वारा बैलन डीओर के

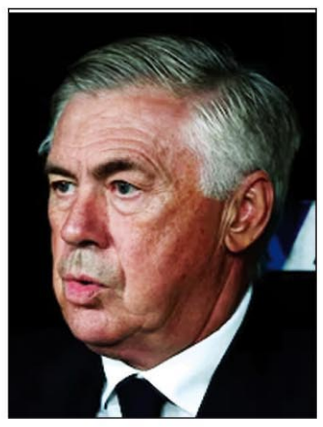

समारोह का बहिष्कार करने के बाद पहला मैच भी है, क्योंकि उसे पता चला था कि विनीसियस जूनियर को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार नहीं मिलने वाला है, बल्कि यह पुरस्कार मैनचेस्टर सिटी के रोड्रिगो हर्नांडेज़ को मिलने वाला है।

एंसेलोटी पिछले सप्ताह अपने खिलाड़ियों के साथ काम करने में सफल रहे हैं और वर्तमान में केवल लंबे समय से चोटिल डेविड अलाबा और दानी कार्वाजल ही उपलब्ध नहीं हैं।

उनकी टीम ने अब तक अपने तीन चैंपियंस लीग खेलों में से दो में जीत और एक में हार का सामना किया है, हालांकि उन्हें अपने पिछले यूरोपीय खेल में बोरूसिया डॉर्टमुंड के खिलाफ़ घरेलू मैदान पर एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था, जिसमें वे 2-0 से पीछे थे, लेकिन विनीसियस की हैट्रिक ने उन्हें 5-2 से जीत दिलाने में मदद की।

शाकिब अल हसन की गेंदबाजी पर उठे सवाल, संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए किया गया रिपोर्ट

नई दिल्ली

अपने करियर के अंतिम दौर में चल रहे बांग्लादेशी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन मुसीबतों में फंसते नजर आ रहे हैं और इस बार अपनी गेंदबाजी के कारण। काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए एकमात्र मैच के दौरान शाकिब की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए अंपायरों द्वारा रिपोर्ट की गई है।

शाकिब को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा अपने गेंदबाजी एक्शन का विश्लेषण करवाने के लिए कहा गया था।

शाकिब ने सितंबर में टॉन्टन में समरसेट के खिलाफ एक रोमांचक चैंपियनशिप मुकाबले में सरे के लिए ने 63 से ज़्यादा ओवर फेंके और नौ विकेट चटकाए। अब पता चला है कि ऑन-फील्ड अंपायर स्टीव ओ%शॉघनेसी और डेविड मिल्स ने बाद में उनके गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध माना।

2010-11 में वॉर्सेस्टरशायर के साथ एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद शाकिब की यह प्रतियोगिता में पहली उपस्थिति थी, उन्होंने इंग्लैंड की ड्यूटी पर आठ खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के कारण कुछ समय के लिए सरे के लिए खेलने का फैसला किया था।

यह समझा जाता है कि शाकिब को खेलने से निलंबित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें अगले

कुछ हफ्तों के भीतर एक स्वीकृत स्थान पर आगे के परीक्षणों से गुजरना होगा। यह शाकिब के लिए एक बड़ा आश्चर्य है, जिनकी गेंदबाजी उनके 17 साल से अधिक के करियर के दौरान कभी भी जांच के दायरे में नहीं आई, जिसमें उन्होंने 447 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 712 विकेट लिए।

सोमवार को जब इस मामले पर बीसीबी के एक अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया गया तो उन्होंने कहा, इस मामले (शाकिब के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन) का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट या अन्य देशों में घरेलू क्रिकेट से कोई संबंध नहीं है। यह मामला ईसीबी के अधिकार क्षेत्र में है और आईसीसी या अन्य बोर्ड से संबंधित नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर शाकिब इंग्लैंड में घरेलू क्रिकेट खेलना चाहते हैं तो उन्हें टेस्ट खेलना होगा।

प्राइम टेबल टेनिस लीग के तीसरे सत्र की मेजबानी करेगा इंदौर

इंदौर

महाराष्ट्र में दो सत्रों की जबरदस्त सफलता के बाद, प्राइम टेबल टेनिस लीग (पीटीटी) का आयोजन मध्य प्रदेश मध्य टेबल टेनिस एसोसिएशन के सहयोग से इंदौर में किया जाएगा।

आगामी लीग 13 दिसंबर से 15 दिसंबर तक इंदौर के प्रतिष्ठित अभय प्रशाल क्लब में आयोजित की जाएगी। रविवार को आयोजित हालिया खिलाड़ी नीलामी में आठ टीमों क्लिपर्स, निंजा, सेंसेशन, स्पार्टन्स, थंडरबोल्ट, योद्धा, लायन वॉरियर और किंग पोंग ने बोली लगाई। नीलामी में 56 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों, 8 समर्पित कोचों और 8 कुशल प्रबंधकों की सूची प्रदर्शित की गई। प्रत्येक टीम ने सात खिलाड़ियों का चयन किया है, जिसमें 11 से 60 वर्ष की आयु के प्रतिभागी शामिल हैं, जिससे एक समावेशी और विविधतापूर्ण प्रतियोगिता सुनिश्चित होती है।

इस सीज़न के लिए सबसे प्रतिस्पर्धी रोस्टर बनाने के लिए

उत्सुक टीमों द्वारा विभिन्न श्रेणियों में हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को खरीदा गया। उल्लेखनीय खिलाड़ियों में रूकी बॉय अनुज सोनी शामिल हैं जो लॉयन वॉरियर में शामिल हुए, मार्की महिला अनुषा कुटुम्बले क्लिपर्स में शामिल हुईं, और मार्की पुरुष पंकज कुमार विश्वकर्मा भी क्लिपर्स में शामिल हुए। इसके अलावा, सेंसेशन ने हिमानी चतुर्वेदी को मार्की महिला खिलाड़ी के रूप में सुरक्षित किया, जिससे उनकी लाइनअप में मजबूती आई।

प्राइम टेबल टेनिस के सीईओ अभिषेक जैन ने पीटीटी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा, हम पहली बार मध्य प्रदेश में प्राइम टेबल टेनिस लीग लाने को लेकर रोमांचित हैं। खिलाड़ियों की नीलामी को लेकर उत्साह और देश भर से प्रतिभाओं की मजबूत लाइनअप भारत में टेबल टेनिस के लिए बढ़ते उत्साह को दर्शाती है। हम इंदौर में एक अविश्वसनीय सीज़न की उम्मीद करते हैं, जो हमें विश्वास है कि खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए एक यादगार अनुभव होगा।

इस सीज़न के ड्राफ्ट में शीर्ष छह स्टार खिलाड़ियों में शिवम सोलंकी, अनुषा कुटुम्बले, अद्रिका अग्रवाल, परमी पंकज नागदेवे, वंश चौहान और मृदुल जोशी जैसे असाधारण प्रतिभाएं शामिल हैं।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स: शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका सेमीफाइनल में पहुंची

नई दिल्ली

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने सोमवार को चौथी वरीयता प्राप्त इतालवी खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी को 6-3, 7-5 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही वह पर्पल राउंड-रॉबिन ग्रुप में अपराजित रहीं।

26 वर्षीय खिलाड़ी साल के अंत में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने के कगार पर है। बुधवार को अंतिम ग्रुप मैच में एलेना रयबाकिना पर जीत या अपनी प्रतिद्वंद्वी पोलैंड की इगा स्वियाटेक से हार, बेलारूसी खिलाड़ी के लिए साल के अंत में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर देगी।

सबालेंका की जीत और चीनी खिलाड़ी झेंग किनवेन की रयबाकिना पर पहले 7-6(4), 3-6, 6-1 की जीत ने सुनिश्चित किया कि शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बुधवार को अपने अंतिम परिणाम के बावजूद अपने समूह में पहले स्थान पर रहेगी, जिससे वह अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएंगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन और यू.एस. ओपन चैंपियन सबालेंका ने रियाद में सातवीं वरीयता प्राप्त झेंग के खिलाफ अपना पहला मैच भी जीता। चीनी खिलाड़ी और पाओलिनी, जिनका रिकॉर्ड 1-1 है, दोनों सेमीफाइनल के लिए दावेदारी में हैं और बुधवार को उनका आमना-सामना होगा।

स्वियाटेक एकमात्र खिलाड़ी हैं जो सबालेंका से आगे निकल सकती हैं। मंगलवार को कोको गॉफ से खेलने वाली 23 वर्षीय खिलाड़ी को अपना

खिताब बनाए रखना होगा और उम्मीद करनी होगी कि सबालेंका अपने शेष मैच हार जाएं, ताकि साल के अंत में नंबर एक स्थान हासिल कर सकें।

सबालेंका ने अपनी जीत के बाद कहा, मुझे खुद पर गर्व है। सिर्फ़ खुद पर नहीं, बल्कि मेरी टीम पर भी। हम कई चीज़ों पर काबू पाने में सफल रहे। इतना बढ़िया टेनिस दिखाने और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना, टीम वर्क है। यह सिर्फ़ मैं ही नहीं कर सकती। कोई भी पर्दे के पीछे के काम को नहीं देखता। लेकिन वे मेरे लिए बहुत कुछ करते हैं। वे मेरे लिए जो कुछ भी करते हैं, उसके लिए मैं उनकी सराहना करती हूं। यह मेरे लिए इस कोर्ट पर जीतते रहने की प्रेरणा है। वे खिलाड़ी अब तक की सर्वश्रेष्ठ टीम कहलाने के हकदार हैं।

सबालेंका 2013-2014 में सेरेना विलियम्स के बाद से लगातार दो बार डब्ल्यूटीए फाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के रूप में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी हैं।

22 वर्षीय झेंग ने 25 वर्षीय कजाख खिलाड़ी रयबाकिना के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत दर्ज की। उन्होंने सबालेंका से मिली हार से उबरते हुए 1972 के बाद से फाइनल्स में मैच जीतने वाली ली ना के बाद दूसरी चीनी खिलाड़ी बन गईं।

रियाद में फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण पहुंची रयबाकिना को दूसरी बार हार का सामना करना पड़ा।

झेंग ने कहा, मैं यह मैच जीतकर बहुत खुश हूं, क्योंकि मैंने उसे पहले कभी नहीं हराया था और वह इस समय टूर पर सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक है। भले ही दूसरे सेट में मेरे पास मौका था और मैंने उसे भुनाया नहीं, लेकिन मैं खुश हूं कि मैंने तीसरे सेट में वापसी की और अपना ध्यान केंद्रित रखा।

एक्सपायर्ड ब्यूटी प्रॉडक्ट्स ऐसे भी आएंगे काम

महंगे-महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स खरीद तो लेते हैं लेकिन नियमित रूप से इस्तेमाल नहीं कर पाने से ये ब्यूटी केस में पड़े-पड़े ही एक्सपायर हो जाते हैं। इसके बाद बॉडी पर इसका इस्तेमाल करने से स्किन पर रिएक्शन होने का धर होता है जिससे त्वचा खराब भी हो सकती है। इन प्रॉडक्ट्स की लाइफ खत्म हो जाने पर हमारे दिमाग में बस ये आता है कि ये अब किसी काम की नहीं है तो इसे कूड़े में फेंक दिया जाए। लेकिन नहीं, ये एक्सपायर ब्यूटी प्रॉडक्ट्स भी आपके बड़े काम की चीज है और आप इसे रीयूज कर सकते हैं...

» मेकअप ब्रश का इस्तेमाल कर करके काफी हार्ड हो जाता है। इसका सही ढंग से मेकअप में इस्तेमाल नहीं हो पाने के कारण हम इसे फेंक देते हैं। इसे फेंकने के बजाए कीबोर्ड और ऐसी ही छोटी छोटी चीजों को साफ करने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

» एक्सपायर हो चुके परफ्यूम का इस्तेमाल रुम फ्रेशनर या बाथरूम फ्रेशनर की तरह कर सकते हैं। इससे आपका एक्सपायर प्रॉडक्ट भी बर्बाद होने से बच जाएगा और कुछ इस्तेमाल भी हो जाएगा।

» ब्लैकजेल आईलाइनर का इस्तेमाल आप अपने फुटवेयर जैसे जूते या सैंडल चमकाने में कर सकते हैं। ब्लैक कलर के फुटवेयर पर कई बार स्क्रैच के निशान पड़ जाते हैं जिससे उसका लुक बिगड़ जाता है ऐसे में ये आईलाइनर इसमें काम आ सकता है।

» फेशियल टोनर एक्सपायर हो जाने पर इसे फेंके नहीं ये आपके बहुत काम आ सकता है। ये एक अच्छा क्लीनर की तरह काम करता है जिससे आप टाइल्स, मिरर या टेबल साफ कर सकते हैं। ये आपका पैसावसूल इस्तेमाल होगा।

» आईशैडो खराब हो जाने पर आप इसका इस्तेमाल अलग अलग तरह के नेल पेंट बनाने में कर सकते हैं। इसके लिए आप आईशैडो को पीस कर क्लीयर नेल पेंट में डालें और अपने मनपसंद कलर की नेलपेंट तैयार कर लीजिए।

बच्चे का विजन है कमजोर तो चश्मे पर दें जोर

चश्मे को लेकर कहा जाता है कि इसे लगाने के बाद विजन कम होता है। जबकि डॉक्टरों की राय ठीक इसके विपरीत है। डॉक्टरों का कहना है कि अगर चश्मा नहीं लगाते हैं तो 65 फीसदी तक विजन कमजोर हो सकता है। दिल्ली एम्स से लेकर तमाम नेत्ररोग विशेषज्ञ उन लोगों को चश्मा लगाने की सलाह दे रहे हैं, जिनकी नजर कमजोर है।

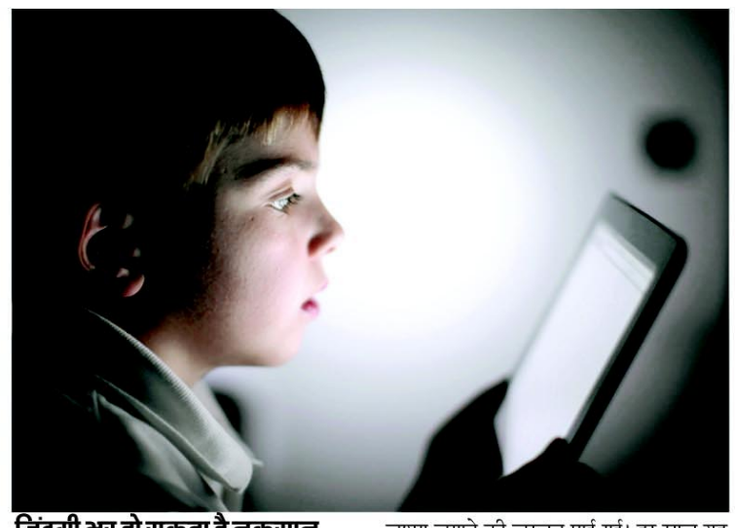

जिंदगी भर हो सकता है नुकसान

ताउम्र अपनी आंखों की रोशनी बनाए रखने के लिए सही समय पर चश्मा लगाएं। चश्मा नहीं लगाने से बच्चों में विजन डिवेलपमेंट नहीं हो पाएगा। डॉक्टरों की मानें तो बच्चों की आंखों की रोशनी कमजोर होने के पीछे ना सिर्फ न्यूट्रीशियन की कमी है, बल्कि सही समय पर चश्मा नहीं लगाना भी है। दुनियाभर में चल रही रिसर्च और स्टडीज में भी यह खुलासा हुआ है। चश्मा नहीं लगाने से 65 पर्सेंट तक विजन लॉस का रिस्क है। आजकल बच्चों में मायोपिया यानी विजन लॉस ब?ी प्रॉब्लम बन चुका है। 10-15 साल की उम्र में बच्चों को चश्मा लग रहा है।

3 साल बाद रूटीन जांच जरूरी

डॉक्टरों के मुताबिक, विजन के इस झंझट से बचने के लिए माता-पिता के लिए सबसे बेहतर सलाह है रूटीन जांच। जब आपका बच्चा 3 वर्ष की आयु का हो जाए तो उसका कम से कम महीने में एक बार विजन टेस्ट जरूर कराएं। सामान्यत= 3 वर्ष की आयु के बाद ही बच्चे में विजन बनना शुरू होता है। इसलिए माता-पिता को प्रारंभ में ही टेस्ट कराकर इस परेशानी से बचने की कोशिश करनी चाहिए।

माओपिया की समस्या

बच्चों में दृष्टि दोष यानी माओपिया की प्रॉब्लम बढ़ रही है जिसकी वजह से बच्चों में चश्मे की जरूरत बढ़ रही है। कुछ समय पहले 10 हजार बच्चों पर हुई एक स्टडी में पाया गया कि 5-10 साल की उम्र में 14 तक बच्चों में चश्मा लगाने की जरूरत पाई गई। हर साल यह 10 तक बढ़ रहा है। साउथ एशिया में 50त्न बच्चे कमजोर नजर से ग्रसित हैं, जबकि इस प्रॉब्लम को चश्मा लगाकर सही किया जा सकता है।

भारत के शहरी इलाकों में अगले 10 साल 30 से 40 तक बच्चे इस बीमारी से ग्रसित होंगे। चश्मा नहीं लगाने से नजर कमजोर होने के साथ-साथ नजर साफ नहीं बनेगी। इससे जिंदगी भर आंखों की रोशनी कमजोर रहेगी। इससे विजन लॉस भी हो सकता है। बच्चों की समय-समय पर आंखों की स्क्रीनिंग करवाएं। उन्हें चश्मा लगवाएं। बच्चों की विजन पावर बढ़ाने के लिए उन्हें एक घंटा बाहर जरूर खेलने दें।

हिप बोन के स्टेम सेल से इलाज

आंखों का पर्दा कमजोर होने से नजरें कमजोर हो रही हैं। आजकल स्टेम सेल से इलाज किया जा रहा है। इसमें हिप बोन से स्टेम सेल लेकर पर्दे में डालते हैं। हालांकि सिर्फ 70 केस में ही रिजल्ट आने की संभावना रहती है। अभी स्टेम सेल पर रिसर्च चल रही है। पर्दा कमजोर होने पर शाम के समय दिखाई देना बंद हो जाता है।

विटमिन ए की कमी

ग्लोबल लेवल पर ब्लाइंडनेस बड़ी समस्या है। इसके लिए विटमिन की कमी यानी रतौंधी को जिम्मेदार माना जाता था, लेकिन अब चश्मा नहीं लगाना एक बड़ा रिस्क फैक्टर बन चुका है। चीन और भारत सहित कई देशों में ब्लाइंडनेस के लिए इसे जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। चश्मा नहीं लगाने से 65 पर्सेंट तक विजन लॉस होता है।

चुकंदर करता है गुर्दों की सफाई

चुकंदर स्वाद में जितना मजेदार होता है उतना ही यह सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इसे कच्चा खाएं या उबालकर, चाहे जूस बनाकर पीयें या सब?जी बनाकर फायदा यह बराबर ही करेगा। दवा न होते हुए भी यह कई बीमारियों में दवाई का काम करता है। आयुर्वेद के जानकार मदन जोगी बताते हैं कि चुकंदर में कई ऐसे तत्व होते हैं जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं।

यह हैं चुकंदर के चार फायदे

चुकंदर में सोडियम, आयोडिन, क्लोरीन, फास्फोरस और आरयन होता है। चुकंदर का जूस रोज पीने से पेशाब में होने वाले जलन में आराम मिलता है। चुकंदर गुर्दों की सफाई भी करता है।

चुकंदर बवासीर की रोगियों के लिए भी रामबाण है। एक चुकंदर रोज खाने से बवासीर की तकलीफ नहीं होती है। इसके अलावा कब्ज के रोगियों को भी चुकंदर खाने से राहत मिलती है।

चुकंदर शरीर में खून भी बनाता है। इसमें मौजूद आयरन शरीर की आरबीसी को सक्रिय करता है। इससे शरीर में चुस्ती बनी रहती है और थकान नहीं होता है।

एक कप चुकंदर के जूस में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। अपच जैसी समस्याएं नहीं रहती हैं।

यह रहा हेल्दी और जवां बने रहने के लिए डाइट प्लान

कहते हैं आपके खाने के मैन्यू से आपकी उम्र का अंदाजा लगाया जा सकता है। जहां हेल्दी खाने से आप सालों साल जवां दिख सकते हैं। वहीं जंक फूड और गलत खान-पान आपको समय से पहले उम्रदराज बना सकता है। तो जनाब जरा संभलकर.. कहीं ऐसा ना हो फिर देर हो जाए। जितना हो सके हेल्दी और ज्यादा मात्रा में पौष्टिक खाना खाएं। हमारी पहली मील नाश्ता होती है। नाश्ते से हमें दिनभर के लिए ऊर्जा मिलती है, इसलिए जरूरी है हम हेल्दी और अच्छा नाश्ता करें। अमूमन स्वाद पर रोक लगाना हर किसी के नियंत्रण में नहीं होता। जितना ज्यादा स्वादिष्ट खाना हो समझें वह उतना अधिक आपकी सेहत के लिए हानिकारक है। आजकल सभी लोग जंक फूड, स्ट्रीट फूड खाना बेहद पसंद करते हैं। अच्छी डाइट पर कम ही लोग ध्यान देते हैं। लेकिन यह जरूरी है हम अपने खान-पान में कुछ ऐसी चीजों को जोड़ें जिससे हम अंदरूनी तौर पर स्वस्थ रहें। कम से कम आपको आदत डालनी चाहिए कि सुबह का नाश्ता हेल्दी कर सकें। आइए एक नज़र डालते हैं तमाम उन पौष्टिक मील्स पर जो आपको रखें फिट और जवां।

ओट्स : नाश्ते में ओट्स से बेहतर सेहतमंद चीज और कुछ नहीं हो सकती। ओट्स में कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन-बी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जोकि आपके नर्वस सिस्टम के लिए बहुत फायदेमंद होता है। बाजार में आजकल ओट्स के कई फ्लेवर मिलते हैं। वजन घटाना हो तो रोजाना नाश्ते में ओट्स का सेवन करें। ओट्स में कम फैट के साथ कम कैलोरी भी होती है। ये आपके शरीर के एक्स्ट्रा फैट को कम करेगा और आपको स्लिम बनाएगा। ये पाचन रोग, डाइबिटीज, कैंसर, अस्थमा, तनाव, दिल की बीमारी की समस्या के लिए भी लाभकारी है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ओट्स सेहत के साथ त्वचा और सौंदर्य के लिए भी वरदान है। ओट्स को दूध में मिलाकर बने स्क्रब से त्वचा की चमक बढ़ती है।

कॉर्न : बेहद ही टेस्टी और ज्यादातर बच्चों का पसंदीदा कॉर्न जिसके फायदे भी सचमुच स्वीट है। इसका सेवन आप आटे, सूप या सब्जी, टॉपिंग के तौर पर कर सकते हैं। कॉर्न में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, बी, ई, फाइबर, जिंक, फास्फोरस, मैग्नीशियम और आयरन पाया जाता है। कॉर्न में मौजूद फाइबर्स आपकी पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं। रोजाना कॉर्न खाने से आप अनेकों बीमारियों से निजात पा सकते हैं। यह ब्लड शूगर, कैंसर, पेट की समस्याओं (कब्ज, गैस), एनीमिया, आंखों से जुड़ी समस्या से रोकथाम में सहायक है। कॉर्न आपके कोलेस्ट्रोल को कम करता है, साथ ही हृदय को

स्वस्थ बनाए रखता है। कॉर्न त्वचा में निखार और सुंदरता भी बनाए रखता है। यह बालों को झड़ने से रोकता है और उन्हें मजबूत बनाता है। रोजाना कॉर्न खाने से आप अपनी बढ़ती उम्र को ज्यादा समय तक जवां रख सकती हैं। कॉर्न गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है।

स्प्राउट्स (अंकुरित दाल) : सभी जानते हैं दालों में बहुत मात्रा में पोषक तत्व होते हैं। लेकिन दालों को उबालने से उनके सारे गुण खत्म हो जाते हैं। इसलिए दालों को अंकुरित कर खाना बेहतरीन उदाहरण है। दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की दाल होती है। इसमें प्रोटीन, फाइबर विटामिन ए, बी, सी और ई, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम भरपूर होता है। अंकुरित दाल नाश्ते और स्नैक्स में खा सकते हैं। मूंग दाल के अलावा आप चने को भी अंकुरित कर खा सकते हैं। स्प्राउट्स दाल डायबिटीज संतुलित करने, वजन कम करने, कब्ज की परेशानी दूर करने के साथ एंटी एजिंग भी होती है।

अंडे : अगर आप नॉन वेजीटेरियन हैं तो अंडों से ज्यादा प्रोटीन आपको कहीं नहीं मिलेगा। अंडे आपके शरीर में प्रोटीन की कमी दूर करने का सबसे अच्छा स्त्रोत है। अंडे में भरपूर मात्रा में विटामिन और कैल्शियम होता है। अंडा एक बेहतरीन एनर्जी बूस्टर भी है। अंडे के पीले भाग में हेल्दी फैट्स होते हैं जो शरीर को ऊर्जा देते हैं। वहीं सफेद हिस्सा प्रोटीनयुक्त होता है। अंडे आपकी भूख को कम करता है और ओवरईटिंग से बचाता है। अंडा सेहत के साथ त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। आप चाहें तो अंडे उबालकर या ऑमलेट बनाकर खा सकते हैं।

केला : कुछ लोगों का मानना है कि केले में अधिक मात्रा में फैट होता है। लेकिन जनाब बता दें कि केले से अच्छा कोई नाश्ता नहीं है। केले में अधिक मात्रा में पोटेशियम है, जो हाइपरटेंशन की शिकायत को दूर करता है। केला कार्बोहाइड्रेट का अच्छा स्त्रोत है, जो ओवरईटिंग से बचाता है साथ ही आपको काम करने की एनर्जी देता है। केले में विटामिन ए, बी जैसे पोषक तत्व शामिल हैं। गरम पानी के साथ केला खाने से वजन कम होता है। ये पाचन रोगी परेशानियों को दूर करता है। केला दिल संबंधी रोग, तनाव और एनीमिया से बचाता है। ये शरीर में कमजोरी को दूर कर हड्डियों को मजबूत भी करता है।

वेजिटेबल जूस : वेजिटेबल जूस नाश्ते में रोजाना जरूर पीयें। इस जूस में बहुत सारे विटामिन और दूसरे पोषक तत्व शामिल होते हैं। वेजिटेबल जूस में टमाटर, पालक, गाजर और आंवले का रस होता है। जो लोग सब्जियां नहीं खा पाते वे इनका जूस पी सकते हैं। आजकल लोगों के बीच वेजिटेबल जूस पीने का ट्रेंड चल पड़ा है। अच्छी बात है कि आप अपनी मर्जी से वेजिटेबल जूस बनवा सकते हैं। ये जूस आपकी त्वचा और बालों को भी सुंदर बनाता है।

वेजिटेबल/फ्रुट सलाद : अगर जूस ना पी पाएं तो सब्जियों को सलाद के तौर पर भी खाया जा सकता है। गाजर, खीरा, चुकंदर, मूली, गोभी, ब्रोकली, टमाटर, शकरकंद, मशरूम, प्याज को नाश्ते में सलाद के रूप में खा सकते हैं। ये काफी हेल्दी और पोषक तत्वों से भरपूर है। आप हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे पालक, पत्ता गोभी का भी सलाद खा सकते हैं। ग्रीन सलाद विटामिन बी-12 का अच्छा स्रोत है। सलाद खाने के अनेकों फायदे हैं, ये पाचन क्रिया संबंधी समस्याओं को दूर करता है। वजन कम करने के लिए ये सबसे असरदार तरीका है। आप सलाद को तीनों समय खा सकते हैं। वेजिटेबल सलाद शरीर में खून के संचार को बढ़ाता है और शरीर को विटामिन सी, ई, फॉलिक एसिड, लायकोपीन देता है। आप चाहें तो अपने पसंदीदा फलों का सलाद भी नाश्ते में खा सकते हैं।

ऐसे पहुंचाएं थकी आंखों को आराम

एग्जाम के दौरान बच्चे घंटों तक पढ़ते हैं। खास तौर पर पढ़ने के लिए वह देर रात तक जागते हैं। इसका सीधा असर आंखों पर पड़ता है। आंखें लाल हो जाती हैं, जलन, पानी आना, धुंधला दिखना या डबल दिखना जैसी समस्या होती है। सेक्टर-28 के योगाचार्य हरीश शर्मा ने बताया कि एग्जाम की तैयारी के समय आंखों की थकावट कैसे कम किया जा सकता है।कम करने के तरीके बता रहे हैं।

आंखों की मालिश करें। इससे आंखों में ब्लड सर्कुलेशन सही रहेगा और यह आंखों के आसपास की मांसपेशियों को आराम देगी। मालिश से टियर ग्लैंड भी ठीक काम करेंगे और सूखेपन का अहसास नहीं होगा। मालिश के लिए उंगलियों से पलकों और भौहों के आसपास की 10-20 सेकंड तक मालिश करें। थकावट को दूर करने के लिए हथेलियों से मालिश करें। इसके लिए हथेलियों को तब तक रगड़ें जब तक कि गरम न हो जाएं और फिर हथेलियों को बंद पलकों पर रख दें।

आंखों की एक्सरसाइज के लिए आप एक पेन या पेंसिल को एक हाथ की दूरी पर आंखों के सामने पकड़े और धीरे-धीरे उसे अपनी ओर ले आए। उसे तब तक देखते रहे जब तक वो आपको साफ दिख रहा हो। इसके बाद फिर उसे धीरे-धीरे दूर ले जाएं। इसे 10 से 15 बार करें।

ठंडे पानी से आंखों की सिकाई करने से आंखों की सूजन और तनाव दूर होता है। इसके लिए साफ कपड़े में बर्फ लपेटें और उसे बंद आंखों पर रखें। गुलाब जल तनावपूर्ण और थकी आंखों के लिए अच्छा है। इसके अलावा खीरे के टुकड़े आंखों पर रख सकते हैं।

भारत का स्कॉटलैंड माना जाता है कर्नाटक का कूर्ग

मैंगलोर से 135 किलोमीटर और बेंगलुरु से 252 किलोमीटर दूरी पर बसा है भारत का स्कॉटलैंड कहा जाने वाला कूर्ग। कूर्ग को कोडागू भी कहते हैं। इसका मतलब है पहाड़ियों से घिरा जंगल। धुंध से भरी पहाड़ियां, घने जंगल, दूर-दूर तक फैले चाय कॉफी और संतरे के बागान बरबस ही पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मेडिकेरी कूर्ग का एक बड़ा इलाका है, जिसे स्थानीय लोग मरकरा भी कहते हैं। यहां ओंकारेश्वर मंदिर है, जिसकी स्थापना हलेरी वंश के राजा लिंगराजेंद्र द्वितीय ने 1839 में की थी। इस मंदिर की मान्यता तो है ही, साथ ही यह मंदिर इस्लामिक स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है। वहां एक जगह है राजा की गद्दी। यह हरे भरे बाग के अंदर है जहां राजा अपनी शामें बिताया करते थे। पहाड़ियों, बादलों और धुंध के बीच सिमटी राजा की गद्दी का यह दिलकश नजारा आपसे छूट न जाए इसका ध्यान रखें।

मेडिकेरी में ऐतिहासिक महत्व की कई जगहें हैं और मेडिकेरी किला उनमें से एक है। गुद्दुराजा ने इस किले का निर्माण करवाया था, जिसे बाद में टीपू सुल्तान ने फिर से बनवाया था। किले में एक पुरानी जेल, गिरजाघर और मंदिर भी है। गिरजाघर को म्यूजियम में तब्दील कर दिया गया है और किले के ज्यादातर हिस्से में सरकारी दफ्तर हैं। कुल मिलाकर यह किला एक दर्शनीय स्थल है लेकिन किले की छत से खूबसूरत मेडिकेरी देखना अच्छा लगता है। छोटे से म्यूजियम को 20-25 मिनट में देख लेंगे। यहां से मेडिकेरी और सुल्तान की कुछ रोचक जानकारियां भी जानने को मिलेंगी।

मेडिकेरी से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर एक टीलेनुमा मैदान है, जहां राजा वीर राजेंद्र और लिंगराजेंद्र की समाधियां हैं। इतिहास में दिलचस्पी रखने वालों के अलावा प्रकृति प्रेमियों को भी यह जगह पसंद आएगी। इस जगह की सबसे खास बात यह है कि समाधि के अंदर एक शिवलिंग भी स्थापित है। इसके बाद यहां की सबसे खूबसूरत जगह है एबी जलप्रपात। मेडिकेरी से 8 किलोमीटर दूर यह जलप्रपात एक निजी कॉफी एस्टेट के अंदर बना है। एस्टेट में कदम रखते ही कॉफी, काली मिर्च, इलायची और दूसरे कई पेड़ पौधे देखने को मिलेंगे। एस्टेट में कदम रखते ही आपको झरने और पानी के गिरने की आवाज सुनाई देगी। कुछ कदम चलते ही आपको एबी

जलप्रपात दिखेगा। जिसके ठीक सामने एक हैंगिंग ब्रिज यानी झूलता हुआ पुल है। पुल पर जब खड़े होंगे तो झरने की हल्की हल्की फुहारें आपके मन को प्रफुल्लित कर देंगी।

कुदरती खूबसूरती के अलावा कूर्ग में बहुत कुछ घूमने के लिए मौजूद है। कूर्ग अंग्रेजों का दिया नाम है जिसे बदलकर कोडगु कर दिया गया है। यहां की भाषा कुर्गी है, स्थानीय लोग इस कोडवत्तक या कोडवा कहते हैं। मेडिकेरी के अलावा कूर्ग के मुख्य इलाके हैं विराजपेट, सोमवारपेट और कुशलनगर। कूर्ग में पर्यटकों की सबसे पसंदीदा जगह है नागराहौल नेशनल पार्क जो अपने वन्यजीवों के लिए जाना जाता है। यहां आपको हाथी, चीता, सांगर, चितकबरे हिरनों के साथ साथ शेर भी देखने को मिलेंगे। यहां पर यदि आप रात में ठहरना चाहते हैं और जंगल का आनंद लेना चाहते हैं तो यहां रात में रुकने की व्यवस्था भी है।

कूर्ग के करीब ही है काकाबे। काकाबे के करीब है भागमंडला। भागमंडला में तीन नदियों का संगम है, कावेरी, कनिका और सुज्योति। हिंदुओं के लिए यह धार्मिक महत्व की जगह है। पास में ही केरल शैली में शिव का प्राचीन भागदेश्वर मंदिर है। भागमंडला से ही आठ किलोमीमटर की ऊंचाई पर है तलकावेरी। यह कावेरी नदी का उद्गम स्थल है। कोडव यानी कूर्ग के लोग कावेरी की पूजा करते हैं। मंदिर के प्रांगण में एक कुंड है। यहां श्रद्धालु स्नान करते हैं। मंदिर से सीढ़ियां एक ऊंची पहाड़ी पर आपको ले जाएंगी। यहां से खूबसूरत कूर्ग का नजारा देखा जा सकता है। एक तरफ चारों ओर हरियाली की चादर है तो दूसरी ओर केरल की पहाड़ियां इसे और मनोरम बना देती हैं। जब यहां से नीचे देखते हैं तो सर्पीली सड़क पर सरकते वाहन, ऊपर अठखेलियां करते हुए बादल, नजर घुमाते ही ब्रह्मगिरी की ऊंची-नीची पहाड़ियों पर कोहरे के बीच घूमती पवनचक्कियां हैं। इन खूबसूरता नजारों को देखते ही आप समझ पाएंगे कि क्यों कूर्ग को भारत का स्कॉटलैंड कहते हैं।

जब पहाड़ी से उतरें तो यहां के इष्टदेव इगुथप्पा मंदिर का दर्शन भी कर सकते हैं। इगुथप्पा यानी शिव का मंदिर। इस मंदिर का निर्माण 1810 ई में राजा लिंगराजेंद्र ने कराया था। मंदिर के करीब ही है चेलवरा जलप्रपात। यह विराजपेट से करीब 16 किलोमीटर दूर है। यहां पहुंचने के लिए थोड़ी दूर पैदल भी चलना पड़ता है। यहीं से दो किलोमीटर आगे चोमकुंड की पहाड़ी है, जहां से ढलता सूरज देखना एक यादगार लम्हा होगा।

सिक्स पैक ऐब्स बनाने हैं तो खाएं ये 5 सब्जियां!

अगर आप प्योर वेजिटेरियन हैं और मसल्स बिल्ड करना चाहते हैं. साथ ही फिट रहना चाहते हैं तो हम आपको बता रहे हैं ऐसी डायट जिससे आपकी मसल्स बिल्ड होंगी. जी हां, ये डायट ना सिर्फ प्रोटीन से भरपूर हैं बल्कि इससे आपकी मसल्स भी मजबूत होती हैं.

»पालक- पालक ना सिर्फ आयरन से भरपूर होता है बल्कि ये ब्लड काउंट भी इंप्रूव करता है. एक कप पालक में 30 ग्राम प्रोटीन होता है. ये ऐब्स बनाने में बेहतर मदद करता है.

»बंदगोभी- फाबर से भरपूर बंदगोभी वजन कम करने में भी मदद करती है. एक कप बंदगोभी में 70 ग्राम प्रोटीन होता है जो कि मसल्स बिल्ड करने के लिए बेहतर है.

»ब्रोकली- बहुत से लोगों को ब्रोकली खाना पसंद नहीं. लेकिन एक कप ब्रोकली में 91 ग्राम प्रोटीन होता है. रोजाना इसे खाने से बॉडी की मसल्स इंप्रूव होती हैं.

»गोभी- प्रोटीन से भरपूर डायट गोभी में 100 ग्राम प्रोटीन होता है और इसमें मात्र 25 कैलोरी होता है.

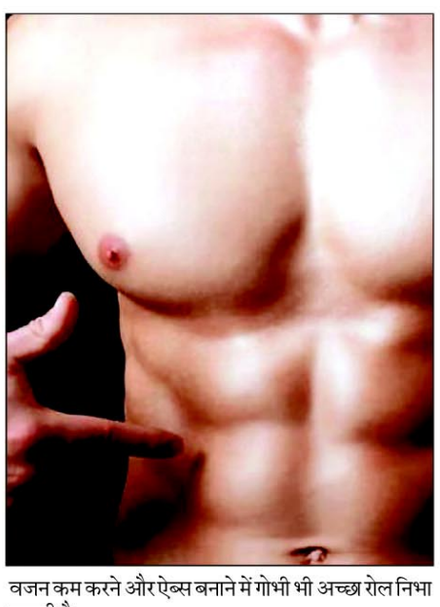

वजन कम करने और ऐब्स बनाने में गोभी भी अच्छा रोल निभा सकती है.

»मशरूम- सफेद मशरूम में भी प्रोटीन बहुत होता है. एक कप मशरूम में 103 ग्राम तक प्रोटीन होता है. ये ऐब्स बनाने के लिए अच्छी वेजिटेबल है.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)